हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 53, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 21 अगस्त, 2023 दिन सोमवार | गाजीपुर/वाराणसी

कमलनाथ जनता को गुमराह करना बंद करें: अमित शाह

भाजपा सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी, शाह बोले- घोटालों पर जवाब दें

भोपाल। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में प्रदेश सरकार के गरीब कल्याण महा अभियान 2003-2023 के रिपोर्ट कार्ड को लांच किया। इस दौरान उन्होंने दिग्विजय सिंह और कमलनाथ पर जमकर निशाना साधा। अमित शाह ने अपने संबोधन के बाद पत्रकारों के सवालों का जवाब दिया। शिवराज सिंह के सीएम बनने के सवाल पर अमित शाह ने कहा की अभी शिवराज सीएम हैं। आप पार्टी का काम पार्टी को करने दें। वहीं, परिवारवाद को लेकर टिकट देने के मुद्दे पर कहा की जब पार्टी की मलकियत किसी एक परिवार के हाथ में रहना परिवारवाद है। चुनाव के समय घोषणाएं करने की बात कहने पर शाह ने कहा कि हमने चुनाव के समय कोई योजना घोषित नहीं की है। गरीब को भी पता है की एक लाख का मकान देने को भुलाकर कोई 200 रुपये की बिजली माफ करने पर वोट नहीं देगा। कांग्रेस के 15 महीने की सरकार के कामकाज पर सवाल किए जाने पर शाह ने कहा कि 2018 में कांग्रेस ने एक सोची समझी रणनीति के तहत जाति का जहर घोलने का काम किया था। इस बार जनता ने उनके 15 महीने का कामकाज देख लिया है। वहीं, नूंह हिंसा पर किए गए सवाल पर शाह ने कहा कि उनके मन में जो चलता है वही बोलते हैं। एक महीने बाद पता चल जाएगा कि देंगे नहीं हुए तब आप पूछ लेना कि दंगे क्यों नहीं हुए। कमलनाथ पर घोटालों और भ्रष्टचार के शाह के आरोप पर भाजपा सरकार के कर्रवाई करने के सवाल पर शाह ने कहा की हमारी जांच चल रही है। यदि यह सवाल कमलनाथ ने प्लांट कराया है तो ठीक नहीं है। जांच भी तेज हो सकती है।

मध्यप्रदेश की उपलब्धियों को देखें तो प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है। सड़कों बनी हैं। सिंचाई क्षमता करोड़ों गरीब किसानों के लिए लाभ है। 46 लाख बेटियों को लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ मिला है। उज्जैन में महाकाल महालोक बना है। भोपाल इंदौर में मेट्रो रेल शुरू की है। मेडिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिन्दी में शुरू की है। पेसा कानून बनाया है। हमने स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय शुरू किया है। अमृत सरोवर का निर्माण किया है। 15 माह की सरकार में कांग्रेस ने क्या किया। इसका बंटाधार और कमलनाथ को जवाब देना चाहिए। गरीब कल्याण के पूरे मूवमेंट को लगड़ा और अपाहिज कर दिया। 600 करोड़ के इफ्को घोटाले में वे जुड़े हुए है। 800 से ज्यादा ट्रांसफर कर के ट्रांसफर इंडस्ट्री लगाने का काम किया। मोदी जी के नेतृत्व में आज भारत कई क्षेत्रों में नंबर 1 पर पहुंच गया है। आप सब के माध्यम से मैं 9 करोड़ की आबादी से आपके आशीर्वाद की अपेक्षा करता हूं। यहां गांव कस्बे तक हमारा संगठन फैला है। ये भी आपके आशीर्वाद के बगैर संभव नहीं है। अमित शाह ने केंद्र में कांग्रेस की सरकार के 24 घोटाले गिनाएं और कांग्रेस से जवाब मांगा। भाजपा की केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाई। शाह ने कहा की प्रदेश की जनता को निर्णय लेना है कि देश को विकसित होने वाली सूची में शामिल होना है या घोटाले वाली सूची में शामिल होना है। मैं प्रदेश की जनता से अपील करता हूं कि आप मोदी जी की महान विकास यात्रा में सहयोग करें। हम चाहते है की चुनाव विकाश और गरीब कल्याण के मुद्दे पर हो। मोदी जी ने योजनाएं बनाने में कमी नहीं छोड़ी और किसी तरह की कटौती नहीं की है। पहले टुकड़े में विकास होता था। पहले 25 हजार शौचालय बनाने थे अब हर घर में शौचालय है। हर गरीब के घर में गैस सिलेंडर पहुंचना चाहिए। हमारे पीएम मोदी जी ने संपूर्ण विकास किया है इसलिए उन्हें बार-बार जनादेश प्राप्त होता है। पांच वित्तीय वर्षो में हमने 72 हजार किमी सड़कों की लंबाई बढ़ाई है।

पाकिस्तान : डीजल ले जा रही पिकअप से टकराई यात्री बस, 16 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में 16 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 15 अन्य घायल हैं। खबर के अनुसार, घटना पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की है। जहां रविवार को एक यात्री बस पिक अप वाहन से टकरा गई। इससे आग लग गई। इस भयंकर हादसे में लोगों की जलकर मौत हुई और हालात ये हैं कि शवों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। पंजाब में पिंडी भटियान के नजदीक फैसलाबाद मोटरवे पर यह हादसा हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक यात्री बस में करीब 40 यात्री सफर कर रहे थे। रविवार सुबह करीब चार बजे यात्री बस आगे चल रहे एक पिकअप वाहन से टकरा गई। बस जिस पिकअप से टकराई, उसमें डीजल के ड्रम रखे हुए थे, जिसकी वजह से टक्कर होते ही आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि लोगों को बचने का मौका नहीं मिला और कई लोग आग की चपेट में आ गए। जब तक आग पर काबू पाया जाता, तब तक 16 लोगों की जलकर मौत हो गई और 15 अन्य घायल गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में कई की हालत गंभीर है, जिसके चलते मरने वालों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका है। घायलों का पिंडी भाटियान और फैसलाबाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यूपी में बाढ़ का पानी शहरों में घुसा, कई जिलों के तटवर्ती गांवों का संपर्क टूटा

फरूर्खाबाद। गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 30 सेंटीमीटर ऊपर स्थिर है। रामगंगा का जलस्तर घटने के बाद भी चेतावनी रेखा के ऊपर है। गंगा की बाढ़ का पानी राजेपुर कस्बा में पहुंच गया है। गांवों में कई दिनों से बाढ़ का पानी भरा होने से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। ग्रामीण मकान की छतों व सड़क के किनारे डेरा जमाए हैं। ग्रामीणों के सामने मवेशियों के चारे की समस्या है। चारे की समस्या से परेशान ग्रामीण मवेशियों को लेकर रिश्तेदारियों में जाने लगे हैं। गंगा का जलस्तर खतरे निशान से 30 सेमी ऊपर 137.40 मीटर पर स्थिर है। नरौरा बांध से गंगा में 3,11,996 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। रामगंगा का जलस्तर 10 सेंटीमीटर घटकर 136.60 मीटर पर पहुंच गया है।

खोह, हरेली व रामनगर से रामगंगा में 11,703 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। गंगा की बाढ़ का पानी तटवर्ती गांव हरसिंहपुर कायस्थ, ऊगरपुर, माखन नगला, करनपुर घाट, कुडरी सारंगपुर, मंझा की मड़ैया, आशा की मड़ैया, बमियारी, नगरिया जवाहर, उदयपुर कंचनपुर, सबलपुर, रामपुर, जोगराजपुर, जगतपुर, अंबरपुर की मड़ैया, चित्रकूट, अबरपुर, हमीरपुर सोमवंशी, भुड़िया भेड़ा, बरुआ, भाऊपुर चौरासी व पट्टी भरखा सहित एक सैकड़ा से अधिक गांव में कई दिनों से भरा है। जिससे जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। परेशान ग्रामीण मवेशियों को लेकर गांवों से पलायन कर रहे हैं। गंगा की बाढ़ का पानी राजेपुर कस्बा में भी पहुंच गया है।

राजेपुर मुख्य मार्ग पर बाढ़ का पानी बहने लगा है। तटवर्ती गांव के संपर्क मार्गो पर बाढ़ का पानी तेज धार से बह रहा है। जिससे मार्ग क्षतिग्रस्त हो गए हैं और आवागमन बाधित हो गया है। ग्रामीण नाव के सहारे आवाजाही कर रहे हैं। रामगंगा का जलस्तर घटने से तटवर्ती गांव अहलादपुर भटौली व कोलासोता गांव के ग्रामीण कटान होने की आशंका से चिंतित है। गंगा का पानी कई गांव में घुस गया है। जिससे ग्रामीण अब रिश्तेदारों तथा सुरक्षित स्थान पर जाने लगे हैं। रास्ता बंद होने से नाव का ही सहारा रह गया है। जिन्हें नाव नहीं मिल पाती वह बाढ़ के पानी से निकल रहे हैं। गंगा का जलस्तर से बाढ़ का पानी गांव दादूपुर कैरी नगला, कौआ नगला, फतेहपुर, कासिमपुर तराई, सुल्तानगंज खरेटा, नगला मरू व शरीकपुर छिछनी के घरों में घुस गया है। रास्तों पर तीन फिट से अधिक पानी चलने से रास्ता बंद हो गयी है। अब ग्रामीण रिश्तेदारी तथा सुरक्षित स्थान पर पहुंचने के लिए मजबूर हो गए हैं। कुछ लोग सड़क के किनारे पालीथिन डालकर डेरा जमाए हैं और वहीं मवेशी भी रखे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इतने लंबे समय तक पहली बार बाढ़ रही है। पहले कुछ दिनों के लिए आती थी और पानी कम हो जाता था। जिससे उन लोगों को दिक्कत नहीं होती थी। इस बार फसलें भी खराब हो गई हैं। मजदूरी भी नहीं मिल रही है, जिससे और समस्या है। प्रतिदिन पानी कम होने की जगह बढ़ रहा है। जिससे अब समस्याएं बढ़ती ही जा रही हैं और बीमारी भी फैल रही है।

केंद्रीय मंत्री ने रघुराम राजन पर साधा निशाना, कहा- किसी ओर के इशारे पर कर रहे सरकार पर हमला

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह एक ऐसे नेता बन गए हैं, जो किसी और के इशारे पर हमला कर रहे हैं। बता दें, मंत्री वैष्णव की यह टिप्पणी राजन के कथित बयान पर आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना के तहत मोबाइल फोन का निर्माण नहीं कर रहा, बल्कि केवल उन्हें ह्यअसेंबलह्ल कर रहा है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि अगले दो वर्षों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चुरिंग में 30 प्रतिशत से अधिक वैल्यू एडिशन हासिल करेगा। इसके अलावा तीन कंपनियां जल्द ही दुनिया के लिए महत्वपूर्ण मोबाइल फोन घटकों का विनिर्माण करेंगी। मंत्री ने कहा कि आज ग्लोबल सप्लाई सीरीज इतनी जटिल है कि कोई भी देश ऐसा नहीं है जो 40 प्रतिशत से अधिक वैल्यू एडिशन का दावा कर सके। वैष्णव ने जोर देकर कहा कि जब अच्छे अर्थशास्त्री राजनीतिज्ञ बन जाते हैं तो वे अपनी आर्थिक समझ खो देते हैं। रघुराम राजन नेता बन गए हैं। उन्होंने कहा कि राजन को अब खुलकर सामने आना चाहिए, चुनाव लड़ना चाहिए, चुनाव कराना चाहिए और राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेना चाहिए। पीछे से वार करना कोई अच्छी बात नहीं है, वह किसी और के इशारे पर ऐसा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिस तरह का रघुराम राजन वार कर रहे हैं, यह उचित बात नहीं है। वह बहुत ही निपुण अर्थशास्त्री हैं। मैं उनसे अर्थशास्त्री बने रहने या राजनीतिज्ञ बनने का अनुरोध करता हूं। विशेष रूप से, पूर्व आरबीआई गवर्नर पिछले साल भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राजस्थान में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ कुछ समय के लिए शामिल हुए थे। यात्रा के दौरान गांधी ने वरिष्ठ अर्थशास्त्री का इंटरव्यू भी लिया था। हालांकि, भगवा पार्टी को राजन का यह कदम अच्छा नहीं लगा था।

पैंगॉन्ग से राहुल का केंद्र सरकार पर हमला, बोले- चीन ने हमारी जमीन कब्जाई, पीएम बोल रहे झूठ

लद्दाख। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर लद्दाख में पैंगोंग झील के तट पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा किया है। राहुल गांधी ने बताया कि यहां के स्थानीय लोगों का कहना है कि चीन की सेना हमारी सीमा में घुसी है। यहां के लोग कहते हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा किया है। राहुल गांधी ने कहा कि लद्दाख के लोगों की बहुत सारी शिकायतें थी। वे उस दर्जे से खुश नहीं हैं, जो उन्हें दिया गया है। वे प्रतिनिधित्व चाहते हैं और उनके सामने बेरोजगारी की समस्या है। लोग कह रहे हैं कि राज्य को नौकरशाही द्वारा नहीं चलाया जाना चाहिए, बल्कि राज्य को लोगों की आवाज से चलाया जाना चाहिए। यहां के लोगों का कहना है कि चीन की सेना इलाके में घुस आई है और उनकी चरागाह की जमीन छीन ली गई है, लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि एक इंच जमीन नहीं ली गई। सच क्या है यह आप यहां किसी से भी पूछ सकते हैं। वहीं, रक्षा विशेषज्ञ संजय कुलकर्णी ने राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ऐसे बयान देना गलत होगा और जब बातचीत चल रही हो तो किसी को भी बयान नहीं देना चाहिए।

बातचीत मुख्य रूप से इसलिए चल रही है, क्योंकि डेमचोक और देपसांग दो घर्षण बिंदु हैं। यहीं पर गश्त को प्रतिबंधित किया जा रहा है, लेकिन हम हार गए हैं यह कहना गलत होगा। हालांकि 1950 के बाद से हमने चीन के हाथों लगभग 40,000 वर्ग किमी खो दिया है और हमारा प्रयास है कि हम अपना और क्षेत्र चीन के हाथों न खोएं।

लद्दाख में आर्मी ट्रक खाई में गिरा, 9 सैन्यकर्मियों की गई जान; राष्ट्रपति मुर्मू और उपराष्ट्रपति ने जताया शोक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को लद्दाख में सेना के एक वाहन के खाई में गिरने से नौ सैनिकों की मौत पर दुख जताया और उनके परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह जिले में शनिवार को सेना के एक वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से उसमें नौ सैनिकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना दक्षिणी लद्दाख के न्योमा के कियारी के पास हुई। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि वह दुर्घटना की खबर से "बहुत दुखी" हैं और उन्होंने कहा कि "देश इन सैनिकों के निस्वार्थ बलिदान के लिए उनके प्रति कृतज्ञता का एक बड़ा ऋणी है"। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक्स पर किये गए एक पोस्ट में कहा, यह जानकर बहुत दुख हुआ कि लेह में एक सड़क दुर्घटना में भारतीय सेना के जवानों की जान चली गई। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। भगवान उन्हें इस त्रासदी को सहने की शक्ति दे।' मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। राष्ट्र इन सैनिकों के निस्वार्थ बलिदान के लिए उनका बहुत बड़ा ऋणी है। उपराष्ट्रपति जगदीप धाखड़ ने भी शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी लद्दाख में सेना के एक ट्रक के नदी में गिरने से मारे गए सैनिकों की मौत पर शोक व्यक्त किया है और कहा है कि राष्ट्र के प्रति उनकी समृद्ध सेवा को हमेशा याद किया जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पीएम मोदी ने भी मृत सैनिकों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, लद्दाख में एक वाहन के खाई में गिरने से कम से कम नौ भारतीय सेना के जवानों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। अधिकारियों के मुताबिक, हादसा शाम करीब 6.30 बजे हुआ। उन्होंने कहा, "सैनिक कारू गैरीसन से लेह के पास क्यारी की ओर बढ़ रहे थे।"

कांग्रेस वर्किंग कमेटी का एलान, सचिन पायलट की एंट्री, थरूर समेत जी-23 के कई नेताओं को मिली जगह

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी नई टीम का एलान कर दिया है। नई कांग्रेस वर्किंग कमेटी का गठन हो गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) में खरगे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी समेत कई बड़े नेताओं के नाम शामिल है, लेकिन इस सूची में एक खास बात है। दरअसल, इस कार्य समिति में आनंद शर्मा और शशि थरूर समेत जी-23 के कई ऐसे नेताओं को जगह मिली है जो कांग्रेस आलाकमान के कई निर्णयों से नाराज चल रहे थे। राजस्थान के बड़े नेता और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट को भी इस सूची में शामिल किया गया है। इसी के साथ गांधी परिवार के तीनों नेताओं के नाम भी सूची में है। कांग्रेस आलाकमान से नाराज चल रहे कई बड़े नेताओं को भी कांग्रेस वर्किंग कमेटी में जगह मिली है। इसमें आनंद शर्मा, शशि थरूर और मनीष तिवारी को शामिल किया गया है।

वीडीए कालोनी में दिनदहाड़े घर में घुसकर चाकू की नोक पर किडनैप करने का प्रयास

फिल्मी अंदाज में पुलिस ने किडनैपर को किया गिरफ्तार परिवार व बच्चे कराया मुक्त

प्रखर वाराणसी। शिवपुर थानांतर्गत मां बच्ची को बंधक बना पैसा मांग रहे अपराधियों को वाराणसी पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में पकड़ा। वाराणसी के चांदमारी क्षेत्र के वीडीए कॉलोनी फ्लैट मे एंटीपीसी मे कार्यरत व्यक्ति के यहां रविवार दोपहर दस लाख की रंगदारी वसूली करने आए दो बदमाशों ने दो साल की बच्ची के गले पर चाकू लगाकर मां सहित पूरे परिवार को बंधक बना लिया सूचना पाते ही डीसीपी वरुणा जोन कई थानो के पुलिस कर्मियों के साथ अपराधियों को गिरफ्तार किया। मौके पर लोगों की भारी भीड़ एकत्रित हो गई थी। शिवपुर थाना के चांदमारी क्षेत्र की वीडीए कॉलोनी में एनटीपीसी के रिटायर्ड इंजीनियर भाईलाल का मकान है। रविवार दोपहर दो युवकों ने दरवाजे पर दस्तक दी। भाई लाल ने दरवाजा खोला तो कहा कि आपसे

बात करनी है। इसके बाद दोनों ने घर का प्रवेश द्वार बंद कर दिया और 10 लाख रुपये की फिरौत मांगी। चाकू दिखाकर उनकी पोती मैत्री और बहू सोनी को बंधक बना लिया। नहीं देने पर जान मारने की धमकी दी। बच्ची और उसकी मां को एक कमरे में बंद कर दिया। इधर, मकान में घुसकर परिवार को बंधक बनाने की सूचना पड़ोसियों ने पुलिस को दी। सूचना पाकर डीसीपी अमित कुमार शिवपुर थाना सहित आसपास के अन्य तीन थानों की फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। देखते ही घर के बाहर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया। घर के बाहर से भीड़ को हटाकर किसी तरह पुलिस की एक टीम मकान में दाखिल हुई। गुत्थमगुत्थी के बाद पुलिस ने बदमाशों को धर दबोचा।

दोनों बदमाशों की उम्र 20 वर्ष से कम है। दोनों इसी कॉलोनी के रहने वाले हैं। घटना में सुरक्षित बचे एनटीपीसी के इंजीनियर भाईलाल और उनकी बहू के चेहरे पर दहशत साफ नजर आ रही थी। स्थानीय लोगों ने पुलिस की सराहना की। मौके पर पुलिस आयुक्त मुथा अशोक जैन भी पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली।

रूस के मून मिशन को झटका, लूना अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर हुआ क्रैश; लैंडिंग में आई थी तकनीकी खराबी

नई दिल्ली। रूस के मून मिशन को झटका लगा है। चांद पर उतरने से पहले ही लूना-25 क्रैश हो गया है। जर्मनी के डीडब्ल्यू न्यूज ने रूस की स्पेस एजेंसी रोस्कोस्मोस के हवाले से बताया कि रूस का लूना-25 अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। आज सुबह ही पता चला था कि लैंडिंग में तकनीकी खराबी आई थी।

सुबह आई थी तकनीकी खराबी- बता दें कि आज सुबह ही रूसी स्पेसक्राफ्ट लूना 25 में तकनीकी खराबी की जानकारी सामने आई थी। ये खराबी उसके चांद की कक्षा बदलने के दौरान आई थी।

कक्षा बदलने में रहा था असफल- लूना-25 को सोमवार को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरना था। इसके लिए लैंडिंग से पहले कक्षा बदली जानी थी, लेकिन तकनीकी दिक्कत के कारण नहीं बदली जा सकी। बता दें कि 1976 में तत्कालीन सोवियत संघ के दौरान लूना-24 मिशन के लगभग पांच दशकों बाद पहली बार 10 अगस्त को लूना-25 अंतरिक्ष में भेजा गया। इसने चंद्रमा पर पहुंचने के लिए अधिक सीधा रास्ता अपनाया है।

संपादकीय

अधिकारियों ने मंजूरी दी, उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की कलियासोत नदी के दोनों और 33 मीटर के दायरे में कोई भी निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता था। पिछले तीन दशकों से कलियासोत नदी के किनारे हजारों की संख्या में भवन निर्माण और विकास कार्य हुए हैं। टाउन कंट्री, प्लैनिंग, नगर निगम और सरकार के अधिकारी भवन निर्माण और विकास कार्यों की स्वीकृति दे रहे थे। नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी सरकार और उसकी संस्थाओं की थी। लेकिन इन्हीं ने सबसे ज्यादा नियमों का उल्लंघन किया। बिल्डरों एवं रियल स्टेट से जुड़े लोगों ने सामान्य नागरिकों के साथ सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से ठगी करके अरबों रुपए के घपले-घोटाले किए। हाल ही में एनजीटी ने 2000 से अधिक निर्माण कार्यों को तोड़ने के आदेश दिए हैं। अरबों रुपए के यह निर्माण कार्य तोड़े जाएंगे। लगभग 25000 की आबादी इससे प्रभावित होगी। हजारों परिवारों की छत टूट जायेगी। लोग बेघरबार होकर सड़कों पर आ जाएंगे। लोगों ने अपने जेवर-जायदाद बेचकर यहां पर फ्लैट और मकान खरीदे थे। बैंक से लाखों रुपए का लोन लिया था। पिछले कई वर्षों से वह यहां पर रह रहे थे। लोन देने के पहले बैंकों ने भी सभी दस्तावेज जांचकर लोन मंजूर किया था। लोन लेने वालों के मकान तोड़े जाएंगे। अधिक नुकसान भी यहां के रहवासियों को होगा। जिन अधिकारियों ने एनजीटी के नियमों का पालन नहीं किया, उन पर एनजीटी ने कोई कार्यवाही नहीं की। जिसके कारण आम लोगों के साथ लगातार इस तरह की धोखाधड़ी होती है। इस तरही की गड़बड़ी भारत में ही संभव है, अरबो रुपए का निर्माण होने और फिर उसको तोड़ देना, यह दुनिया के किसी भी देश में संभव नहीं है, जो भारत में संभव होता है। कलियासोत नदी के आजू-बाजू जितने भी बिल्डर हैं, सभी राजनीतिक संरक्षण प्राप्त बिल्डर हैं। इन्होंने पिछले तीन दशक में करोड़ों अरबो रुपए कमाए, सरासर लूटा-मारी की। अब एनजीटी ने इन्हीं निर्माण को तोड़ने का आदेश दिया है। जिसमें अरबों रुपए का नुकसान आम आदमी को होने जा रहा है। बैंकों का भी करोड़ों रुपए जो फाइनेंस किए गए थे, वह भी वसूल हो पाएंगे या नहीं यह कहना मुश्किल है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सरकार जहां पर 24 घंटे 365 दिन काम करती है, वहां पर सरकार के बनाए हुए नियम-कानूनों का पालन सरकार नहीं करा पाती है। ऐसे नियम-कानून बनाने का फायदा भी क्या है। अरबों रुपए की इस गड़बड़ी पर एनजीटी ने सरकार, नगर निगम के अधिकारियों और टाउन कंट्री प्लानिंग के अधिकारियों की कोई जिम्मेदारी तय नहीं की है। यह इतना बड़ा अपराध है कि निर्माण तोड़ने के पहले इन्हें भी दंडित किए जाने की एनजीटी को कार्रवाई करनी चाहिए थी। संस्थाओं द्वारा नियमों का पालन कराया जाता है। यदि संस्थाएं ही गलत काम करने पर आमादा हो जाएं, रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के आधार पर अवैधानिक ढंग से अनुमति दी जाए। इसके लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी अधिकारियों की तय की जानी चाहिए थी, जो अभी तक नहीं की गई है। जिन अधिकारियों ने अनुमति दी है, जिन बिल्डरों ने नियमों का पालन नहीं किया है। उनके ऊपर अपराधकि कार्रवाई की जानी चाहिए। लेकिन खामियाजा आम आदमी को भोगना पड़ रहा है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में हजारों की संख्या में वैध निर्माण को तोड़ने के आदेश की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल का यह एक ऐसा उदाहरण है। सारे देश में नियम कानूनों का यही हाल है। समरथ को नहिं दोष गुसाईं की तर्ज पर राजनेताओं और बड़े-बड़े अधिकारी नियमों का अपने ढंग से दुरुपयोग करके अपने आर्थिक और राजनीतिक हितों की पूर्ति करते हैं। खामियाजा आम आदमी को ही भुगतना पड़ता है। हजारों परिवार अपने जीवनभर की कमाई एक ही झटके में खोकर सड़कों पर आने विवश हैं। वहीं सरकारी अधिकारी सरकारी संरक्षण में अपराध करने के बाद भी बचे हुए हैं। वहीं उन्होंने करोणों रुपयों की कमाई भी कर ली है। शायद इसे ही भाग्य कहते हैं।

हो गया ऐलान!

नई टीम का झटपट ।
हो गया ऐलान ।।
हो रहे हैं एकजुट ।
मिला नया है ज्ञान ।।
थी जहां बगावत ।
रखा उसका ध्यान ।।
बात जो गंभीर है ।
है उसका भी भान ।।
फूंकनी है जान ।
देकर कुछ उपहार ।।
आने वाला पल भी ।
हो अब यादगार ।।
उसी दिशा में कोशिश ।
आ जाए परिणाम ।।
उलझनों को दरकिनार ।
करनी जो तमाम ।।

–कृष्णेन्द्र राय

विश्व उद्यमिता दिवस पर विशेष

कृषि क्षेत्र में उद्यमिता की संभावनाएं

पिछले एक दशक से भारतीय कृषि में बहुत तेजी से बदलाव आया है ' जो कृषि आजादी के बाद से ही जीर्ण शीर्ण अवस्था में अंतिम सांस ले रही थी आज वो खेत एवं खलिहानों की सीमाओं से ऊपर उठकर उद्यम एवं उद्यमिता की तरफ आज पुनः प्रभावी तरीके से अग्रसर हो गई है' आज भी लोगों की वस्तुओं की जरूरत पूरा करने के लिए कच्चे माल, कपास, जूट, रेशम, ऊन,लकड़ी की लुगदी, चमड़ा उद्योग, खाद्य तेल, चीनी , तंबाकू सभी कृषि उत्पादों पर आधारित उद्यमिता है ' आज जिस तरीके से समाज के विभिन्न क्षेत्र नवाचार, सूचना प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं वैज्ञानिक तकनीकी के प्रयोग से हर पल नई ऊंचाइयां को छू रहा है, कृषि क्षेत्र भी उससे अछूता नहीं है '

वास्तव में कृषि और उद्यमिता दोनों एक दूसरे के पूरक हैं ' भारतीय कृषि से पूरे विश्व के लगभग 70% जनसंख्या का पोषण एवं भारत की 54.6 प्रतिशत श्रम शक्ति कृषि से सम्बंधित कार्य में लगी हुई है ' 2020-21 यानी कोविड़ काल की समय में जहां पूरे देश की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर -6.2 वहीं कृषि अर्थव्यवस्था एक मात्र धनात्मक वृद्धि दर 3.6 थी ' कहने का आशय यह है कि बहुत विपरीत परिस्थिति में भी कृषि से संबंधित उद्यमिता में हानि नहीं अपितु लाभ ही होगा ' कृषि से संबंधित शाखाएं जैसे मुर्गी पालन, दुग्ध उत्पादन, मछली पालन, मधुमक्खी पालन, पशुपालन, सब्जी उत्पादन, फूल एवं फल उत्पादन, मशरूम उत्पादन के साथ ही उपरोक्त समस्त क्षेत्रों में जैविक कृषि की उद्यमिता में अपार संभावनाएं हैं ' राष्ट्र के महान चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने गांव आधारित कृषि उद्योग एवं उद्यमिता की बात की थी ' उनका मानना था कि, भारत जैसे राष्ट्र का समग्र एवं तेजी से विकास तभी संभव हो पाएगा, जब गांव आधारित अर्थव्यवस्था होगी ' इस बात को ध्यान में रखकर आज पुरे देश में कृषि उद्यमिता के तेज विकास के कारण किसानों को "उत्पादक" से "उद्यमी" बनाने का सुअवसर है ' एक तरफ जहाँ सरकारी स्तर पर कृषि से संबंधित उद्योगों को स्थापित करने नीतियों में यथोचित समकालीन परिवर्तन करके इसको ग्रामीण एवं किसानों के अनुकूल बनाया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ कृषि उद्यमिता के लिए जरूरी बुनियादी सेवाओं के तीव्र विकास से ग्रामीण विकास के विभिन्न आयामों को भी मजबूत किया जा रहा है' भारतवर्ष में 25 वर्ष से कम आयु के लोगों की संख्या लगभग 50% है कृषि गतिविधियों में उनकी भागीदारी को बढ़ाने और रचनात्मक रूप से उन्हें संलग्न करके इसके योगदान को और अधिक बढ़ने की आवश्यकता है '

भारत सरकार ने इस महत्वपूर्ण वर्ग पर ध्यान दिया है ' भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने 2015-16 में युवाओं को आकर्षित करने के लिए ARYA (Attracting and Retaining of Youth in Agriculture) एवं MAYA (Motivating and Attracting Youth in Agriculture) नामक कार्यक्रम शुरू किया ' डेयरी उद्यमिता विकास योजना के माध्यम से दुग्ध उत्पादन में युवाओं को लाने का प्रयास कर रही है , जिसका प्रभाव आज समाज में देखा जा सकता है ' इसी प्रकार फिशरीज एंड एक्वाकल्चर डेवलपमेंट फंड के माध्यम से मत्स्य पालन के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा युवाओं को आकर्षित करने का प्रयास किया जा रहा है' पिछले कुछ वर्षों में कृषि के क्षेत्र में उद्यमिता को ध्यान में रखते हुए बीजों के परंपरागत व्यवसाय में बहुत ही क्रांतिकारी बदलाव आया है अब किसान उन्नतशील बीजों के के माध्यम से अत्यधिक उत्पादन एवं उत्पादकता के साथ लाभ कमाना चाहता है जिससे संकर बीजों के उत्पादन का मांग भारतीय बाजारों में तेजी से बढ़ी है ' अतः पूरे देश में बीजों के उत्पादन प्रसंस्करण वितरण एवं बिक्री के व्यवसाय में एक नया एवं तेजी से उभरते उद्योग का रूप लिया है' इसी क्रम में भारत सरकार द्वारा देश के अनेक भागों में सीड हब की स्थापित किया जा रहे हैं।

सिंचाई की अत्याधुनिक विधियों फर्टिगेशन स्प्रिंकलर ड्रिप सिंचाई प्रणाली के निर्माण स्थापना एवं देखरेख का एक नए व्यावसायिक क्षेत्र भी तेजी से उभर रहा है सिंचाई के क्षेत्र में ही आईटी और एआई के ऊपर आधारित सेंसर आधारित सिंचाई प्रणाली भी नया किसी क्षेत्र का उद्यम हो सकता है ' भारत सरकार की बहुआयामी राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (रफ्तार) के माध्यम से नए- नए इनोवेटिव एवं एग्री एंटरप्रेन्योरशिप की तरफ युवाओं का रुझान तेजी से बढ़ रहा है' कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नए-नए कृषि स्टार्टअप की तरफ आईआईटी आईआईएम के छात्रों का तेजी से झुकाव बढ़ा है' भारत सरकार ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के माध्यम से एग्री क्लिनिक एंड एग्री बिजनेस सेंटर योजना के द्वारा प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान कर कृषि स्नातकों को उद्यमिता की ओर आकर्षित कर रही है और रोजगार लेने वाले की जगह रोजगार प्रदान करने वाला बना रही है भारत सरकार द्वारा आत्मा प्रोजेक्ट के माध्यम से कृषक समूह का गठन कर उनको कृषि उद्यमिता की तरफ लाने का प्रयास किया जा रहा है।

इतना ही नहीं भारत सरकार द्वारा आज अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और शैक्षिक संगठनों के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों पर उद्यमिता के विकास को तेजी से प्रोत्साहित किया जा रहा है जिसकी कड़ी में ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन संचार बिजली मार्केटिंग नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जा रहा है आज युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से वर्मी कंपोस्ट, मशरूम उत्पादन, सूअर पालन, शहद उत्पादन, चारा विपणन के साथ ही फल दूध मांस अंडे प्रसंस्करण पौध संरक्षण, जैव उर्वरक, ऑर्गेनिक खेती,फूल उत्पादन एवं विपणन जैसी अनेकानेक योजनाएं किसी के क्षेत्र में नए उद्यमिता की तरफ तेजी से विकसित हो रही हैं।

डॉ परमेंद्र सिंह
वरिष्ठ वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान)
एडवांस्ड सेंटर फॉर रेनफेड एग्रीकल्चर, ध्यानसर
कृषि विश्वविद्यालय जम्मू

जयराम रमेश ने पहले अमृत काल को अमरूद काल कहा

अब उन्हें जी-20 शिखर सम्मेलन से तकलीफ हो रही है

भारत को जबसे जी-20 की अध्यक्षता मिली है तबसे विपक्ष के कुछ नेता बहुत परेशान हैं। खासकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश बहुत ज्यादा तकलीफ में नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर वक्तव्य, हर उपलब्धि, हर फैसले और हर नीति पर कटाक्ष करने से नहीं चूकने वाले जयराम रमेश मोदी विरोध में कभी कभी बहुत आगे निकल जाते हैं। जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर आजादी के अमृत काल को देश ने धूमधाम से मनाया लेकिन जयराम रमेश ने अमृत काल को अमरूद काल बता दिया। भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने की बात कही गयी तो जयराम रमेश ने कह दिया कि इसमें सरकार को क्या करना है, भारत अपने आप ही तीसरी अर्थव्यवस्था बन जायेगा।

देखा जाये तो भारत की हर कामयाबी को कम करके आंकने और भारत की हर उपलब्धि का श्रेय गांधी परिवार को देने के लिए जयराम रमेश इतने आतुर रहते हैं कि उन्होंने कांग्रेस में बड़े से बड़े नेताओं को पीछे छोड़ दिया है। अब जयराम रमेश के निशाने पर जी-20 शिखर सम्मेलन है। इस सम्मेलन को दिव्य और भव्य रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। मोदी शिखर सम्मेलन की तैयारियों से जुड़े हर पहलू पर करीबी नजर रख रहे हैं ताकि कहीं कोई कमी ना रह जाये। शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने दिल्ली के प्रगति मैदान में जो भारत मंडमप तैयार करवाया है उससे भारत का ही गुणगान पूरी दुनिया में होने वाला है। शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आने वाले विश्व नेताओं की आवभगत के लिए जो प्रबंध किये जा रहे हैं उससे भारत के आतिथ्य सत्कार का ही गुणगान विश्व भर में होने वाला है। लेकिन जयराम रमेश इस सबसे बहुत चिंतित हैं क्योंकि उन्हें यह अच्छा नहीं लगेगा कि शानदार आयोजन के लिए विश्व नेता मोदी की पीठ थपथपाएं। जयराम रमेश को लग रहा है कि मोदी इस सबका फायदा चुनावों में ले लेंगे। जयराम रमेश को लगता है कि मोदी को चुनावों में जी-20 का फायदा मिला तो वह कहीं फिर से प्रधानमंत्री ना बन जायें। दरअसल जयराम रमेश के इस पूरे डर के पीछे कारण यह है कि उनका खुद का कॅरियर दांव पर लगा हुआ है। जयराम रमेश जानते हैं कि यदि

2024 में कांग्रेस फिर चुनाव हारी तो सबसे पहले पार्टी के नेता उन पर ही गाज गिरायेंगे इसलिए वह हर रोज कोई ना कोई मुद्दा निकाल कर लाते हैं और प्रयास करते हैं कि इससे मोदी विरोध को हवा दी जा सके।

जहां तक जी-20 के आयोजन से चुनावी लाभ होने की बात है तो जयराम रमेश को अपनी चिंता दूर करनी चाहिए। उन्हें पता होना चाहिए कि जी-20 के विभिन्न समूहों की बैठकें देशभर में आयोजित की गयीं। जिस भी शहर में यह बैठकें हुईं वहां की राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन ने मेहमानों की आवभगत में पलक-पांवड़े बिछा दिये और बैठक को हर मायने में सफल बनाया। जी-20 समूहों की बैठकों को सफल बनाने में कांग्रेस शासित राज्य भी पीछे नहीं रहे। इसलिए सवाल उठता है कि बैठक के सफल होने का फायदा वहां सत्ता में मौजूद पार्टी को मिला या देश को? कश्मीर में जी-20 पर्यटन समूह की सफल बैठक हुई। इसका फायदा कश्मीर को मिला या प्रधानमंत्री मोदी को? कश्मीर में जी-20 की सफल बैठक से विश्व को कश्मीर में सब कुछ सामान्य होने का संदेश गया या यह संदेश गया कि मोदी ने बहुत अच्छा इवेंट आयोजित किया था?

दरअसल हर उपलब्धि का श्रेय एक परिवार को देने के आदी नेता पिछले नौ सालों से यह बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं कि कैसे अब उपलब्धियां देश के नाम दर्ज हो जा रही हैं। हम आपको यह भी बता दें कि जब पिछले साल भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिली थी तभी कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट कर दिया था कि दुनिया के सबसे बड़े इवेंट मैनेजर 2023 की शिखर बैठक का उपयोग असल मुद्दों से ध्यान भटकाने और अगले लोकसभा चुनाव में फायदा उठाने के लिए करेंगे। जयराम रमेश ने नवंबर 2022 में जो ट्वीट किया था उसमें कही गयी बातों को ही दोबारा कॉपी पेस्ट करके अब नये ट्वीट में कहा है कि जी-20 का गठन 1999 में हुआ था। उन्होंने कहा कि 19 देश और यूरोपीय संघ इसके सदस्य हैं। इसके गठन से लेकर अब तक बारी-बारी से 17 देशों में जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ है। अब भारत का नंबर है। लेकिन यहां इसे लेकर जिस तरह का चुनावी अभियान चलाया जा रहा है और माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है, वैसा किसी भी दूसरे देश में नहीं हुआ। उन्होंने दावा किया कि वास्तव में ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि लोगों के जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। रमेश ने कहा, हमें याद रखना चाहिए कि इसी नयी दिल्ली में 1983 में 100 से अधिक देशों का गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन और उसके बाद राष्ट्रमंडल देशों का शिखर सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित हो चुका है। लेकिन तब की सरकार ने चुनावी फायदे के लिए उन मौकों का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने कहा, फिर मुझे लालकृष्ण आडवाणी की वह बात याद आ रही है।

धरसौना में घेराबंदी कर बदमाश को पकड़ने गई पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागा बदमाश, साथी पकड़ाया

प्रखर चोलापुर वाराणासी। धरसौना में घेराबंदी कर बदमाश को पकड़ने गई पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगा बदमाश एक बदमाश गिरफ्तार दूसरा फरार। वही फरार बदमाश की तलाश में दबिश दी जा रही है। लोहता थाना क्षेत्र के लोहरापुर गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई फायरिंग के आरोपी का लोकेशन धरसौना में मिला। उसकी गिरफ्तारी के लिए लोहता और चोलापुर थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से रविवार सुबह धरसौना गांव स्थित एक मकान की घेराबंदी की। बदमाशों ने पुलिस घेराबंदी को देखकर भागने का प्रयास किया। जिसमें एक आरोपी फायरिंग करते हुए भाग निकला। पुलिस ने पीछा किया मगर कुछ पता नहीं चला। वहीं उसके साथी सोनू सिंह को चोलापुर पुलिस ने धर दबोचा। मामले में चोलापुर थाना प्रभारी ने बताया कि मोहाव चौराहे पर कुछ दिन पहले आरोपी ने हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाई थी। लोहता थाना अध्यक्ष ने बताया कि एक जमीन विवाद में सोनू सिंह का नाम प्रकाश में आया था। लोकेशन के आधार पर धरसौना से गिरफ्तार किया गया है।

बंटे हुए समाज को स्नेह सूत्र में बांधने में तेजी से सफल हो रहे हैं संत

यह कितनी सुखद बात है कि समाज के विभिन्न वर्गों में आत्मीयता एवं समरसता के भाव को बढ़ाने के लिए साधु-संत स्नेह यात्रा पर निकल पड़े हैं। जब द्वार पर आकर संत कुछ आग्रह करते हैं, तब हिन्दू समाज का कोई भी वर्ग उस आग्रह को अस्वीकार नहीं कर सकता। मन में असंतोष होगा, लेकिन संतों का सम्मान सबके हृदय में सर्वोपरि है। इसलिए तो सब भेद भुलाकर, हिन्दू विरोधी ताकतों के उलाहने नकारकर, भगवत कथा का श्रवण करने के लिए सभी वर्गों के लोग संतों के पंडाल में एकत्र हो जाते हैं। हम जानते हैं कि भारत को कमजोर करने के लिए बा विचार से पोषित ताकतें हिन्दू समाज के जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देने के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगा रही हैं। ये ताकतें पूर्व में हुए जातिगत भेदभाव के घावों को कुरेद कर अनुसूचित जाति वर्ग के बंधुओं के कोमल हृदय में द्वेष के बीज बोने का काम कर रही हैं, जबकि कोशिश होनी चाहिए उनके घावों पर मरहम लगाने की। परंतु जिनका स्वार्थ परपीड़ा से सध रहा हो, वे जख्म पर नमक ही छिड़केंगे। उनसे कोई और उम्मीद करना बेमानी है। ऐसे वातावरण में संत समाज ने आगे आकर, सभी वर्गों में बंधुत्व के भाव को बढ़ाने के जो प्रयास किए हैं, वह अनुकरणीय हैं। समाज की सज्जनशक्ति को संतों के साथ जुड़ना चाहिए और स्नेह धारा को आगे बढ़ाना चाहिए।

मध्य प्रदेश के सभी जिलों में गाँव-गाँव जब ये संत पहुँच रहे हैं, तब समाज का विश्वास बढ़ाने वाले दृश्य दिखायी दे रहे हैं। सामूहिक भजन और सामूहिक भोजन, एक ही संदेश हम सब एक ही माला के मोती हैं। एक ही ब्रह्म का अंश सबमें हैं। हम मिलकर रहेंगे, तब कोई भी परकीय आक्रमण हमें नुकसान नहीं पहुँचा सकते। उल्लेखनीय है कि जब भी भारत में धर्म की हानि हुई है या फिर समाज कमजोर पड़ा है, तब उसे संतों ने ही संभाला है। आचार्य शंकर का उदाहरण प्रासंगिक होगा कि जब देश में हिन्दुत्व की डोर कमजोर पड़ी, तब उन्होंने समूचे देश की परिक्रमा करके उसे एकात्मता के सूत्र में जोड़ने का काम किया। स्वामी समर्थ रामदास ने महाराष्ट्र के एक स्थान से निकलकर समूचे देश में हनुमान जी के संदेश को पहुँचाया और अखाड़ों के रूप में शक्ति के केंद्र स्थापित किए। जब देश-विदेश में हिन्दू धर्म की प्रतिष्ठा को धूमिल किया जा रहा था, तब स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म संसद के मंच से दुनिया को आईना दिखाने का महान कार्य किया और हिन्दू धर्म की विजय पताका विश्व पटल पर फहरा दी। जब हम अपनी सांस्कृतिक मूल्यों से दूर हुए तब स्वामी दयानंद सरस्वती आगे और उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश से हमारा मार्ग प्रशस्त किया। कबीर, तुलसी, नानक आए और सूरदास, रैदास, तुकाराम, नामदेव, ज्ञानेश्वर ने समाज को दिशा दी। भारत में संतों की एक लंबी परंपरा है, जिन्होंने समाज को संभालने के कार्य को ही अपनी साधना बना लिया।

जब अस्पृश्यता का संकट समाज को खाये जा रहा था, तब संत स्वरूप माधव सदाशिवराव गोलवलकर श्रीगुरुजी ने देश के प्रमुख संत-महात्माओं से आग्रह किया कि वे सभी एक मंच पर आकर हिन्दू समाज को सामाजिक समरसता का संदेश देवें। श्रीगुरुजी के प्रयासों से 13-14 दिसंबर, 1969 को उडुपी में आयोजित धर्म संसद में देश के प्रमुख संत-महात्माओं ने एकसुर में समरसता मंत्र का उद्घोष किया-

हिन्दवः सोदराः सर्वे, न हिन्दूः पतितो भवेत्।
मम दीक्षा हिन्दू रक्षा, मम मंत्रः समानता।।

अर्थात सभी हिन्दू सहोदर (एक ही माँ के उदर से जन्मे) हैं, कोई हिन्दू नीच या पतित नहीं हो सकता। हिन्दुओं की रक्षा मेरी दीक्षा है, समानता यही मेरा मंत्र है। श्रीगुरुजी को विश्वास था कि देश के प्रमुख धमार्चार्य यदि समाज से आह्वान करेंगे कि अस्पृश्यता के लिए हिन्दू धर्म में कोई स्थान नहीं है, इसलिए हमें सबके साथ समानता का व्यवहार रखना चाहिए, तब जनसामान्य इस बात को सहजता के साथ स्वीकार कर लेगा और सामाजिक समरसता की दिशा में बड़ा कार्य सिद्ध हो जाएगा। संतों के इस आह्वान का प्रभाव हुआ और समाज से बहुत हद तक जातिगत भेदभाव की समस्या दूर हो गई। हालांकि आज जातिगत भेदभाव की समस्या पूर्व की भाँति नहीं है। परंतु जिस प्रकार से भारत विरोधी ताकतें जातिगत एवं सांप्रदायिक भेद को उभारकर, समाज के विभिन्न वर्गों में द्वेष उत्पन्न करने का प्रयास कर रही हैं, वैसी स्थिति में यह आवश्यक हो जाता है कि समाज को संभालने का सामर्थ्य रखने वाली संस्थाएं आगे आएं। इस भूमिका को संतों से बेहतर कोई नहीं निभा सकता था। यह अच्छा ही है कि स्नेह यात्रा का नेतृत्व संत कर रहे हैं। संतों के नेतृत्व में ही यह यात्राएं 16 अगस्त से सभी जिलों में एक साथ प्रारंभ हुई हैं, जो 26 अगस्त को पूर्ण होंगी।

स्वस्थ रहिए, व्यस्त रहिए, मस्त रहिए - मानव रक्त फाउंडेशन

प्रखर वाराणसी। मानव रक्त फॉउंडेशन की मुहिम हर घर स्वास्थ्य के तहत दूसरा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सरैंया वाराणसी में लगाया गया।पार्षद हाजी ओकास अंशारी के सहयोग से गंगोश्री हॉस्पिटल, गुरुधाम, वाराणसी की मेडिकल टीम ने लगभग 100 लोगों का हेल्थ चेकअप कर निःशुल्क दवा वितरण किया।संस्था के पदाधिकारी अतुल जय ने कहा की संस्था का उद्देश है की वाराणसी में कुल दस हेल्थ कैम्प किया जाएगा डेंगू, सर में दर्द घुटने में दर्द, चक्करी,मिर्गी आना और गटिया,जोड़ों में दर्द इत्यादि बीमारियों के मरीजों का शिविर में इलाज किया गया 15 दिन का दवा भी सभी मरीजों को दिया गया साथ ही साथ प्रोटीन भी वितरण किया गया संस्था लगातार इसी तरीके से शहर में शिविर करके जरूरतमंदों की मदद करेगा करेगी वही गंगोश्री हॉस्पिटल के संरक्षक व वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉक्टर प्रदीप चौरसिया जी के नेतृत्व में इस मुहिम को पूरे काशी में चलाए जाने का संकल्प लिया गया है ज्यादा से ज्यादा मोहल्लों में शिविर का आयोजन करने का प्रयास है। शिविर में एडवोकेट अब्दुल्ला खालिद हैदर भाई रवि शंकर तिवारी व एडवोकेट अबू हासिम आदि सहयोगी साथीयो की उपस्थित रही।

पुरातात्विक

अजय चंद्रवंशी

पचराही का प्रसिद्ध कंकाली टीला

छत्तीसगढ़ के पुरातन पुरातात्विक स्थलों में पचराही का स्थान महत्वपूर्ण है। पचराही जिला मुख्यालय कवर्धा से 45 किमी तथा ब्लाक मुख्यालय बोड़ला से 17 किमी की दूरी पर उत्तर-पश्चिम दिशा में हाफ नदी के दाहिने किनारे पर स्थित है। पचराही नाम से ही स्पष्ट हो जाता है कि इस स्थल से पांच रास्ते रतनपुर, सहसपुर, भोरमदेव, मंडला और लांजी को जोड़ते हैं। पचराही के इतहास में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब विधिवत रूप से यहां के पुरातात्विक स्थलों का उत्खनन हुआ। इस क्षेत्र का सर्वप्रथम सर्वे सर आर जेनकिन्स द्वारा (1825 के लगभग) किया गया, जिसकी रिपोर्ट एशियाटिक रिसर्चेस वाल्यूम 15 में प्रकाशित हुआ। इस स्थल से इतिहास के अनेक साक्ष्य को अपने गर्भ में समाए रखा है। आज भी खुदाई के दौरान यहां अनेक महत्व के वस्तुएं मिलती रहती हैं। इस स्थल का निरीक्षण करने पर लगता है कि यहां अभी और भी अधिक काम होना बाकी है। इस स्थल पर टीले, गुंबद, मूर्तियों के अवशेष बिखरी अवस्था में पड़े देखे जा सकते हैं। पचराही का पुरातत्व 'कंकाली टीला' के नाम से ही अधिक चर्चित रहा है। उत्खनन से पूर्व टीले में स्थापत्य खंड के बीच एक मूर्ति थी, जिसे 'कंकाली देवी' के नाम से पूजा जाता रहा है। 'कंकाली टीला' के उत्खनन से उत्तर दिशा में गुप्त कालीन ईंट की संरचना प्राप्त हुई है जिसमें दो कक्ष हैं और बाहर एक प्रदक्षिणा पथ। बाद में कल्चुरी काल में इसके उप्पर पत्थर से निर्माण कार्य के साक्ष्य मिले हैं। ईटों की संरचना के बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं है, मगर कल्चुरी काल में पत्थर का निर्माण कार्य अभिलेख में उल्लेखित शिव मंदिर हो सकता है, जो मंदिर के ध्वस्त हो जाने के बाद के काल में कंकाली की मूर्ति के कारण 'कंकाली मंदिर' के नाम से चर्चित हो गया। यह मूर्ति वर्तमान में पचराही संग्रहालय में रखी गई है।

पुस्तक समीक्षा

महाशिव गुप्त बालार्जुन

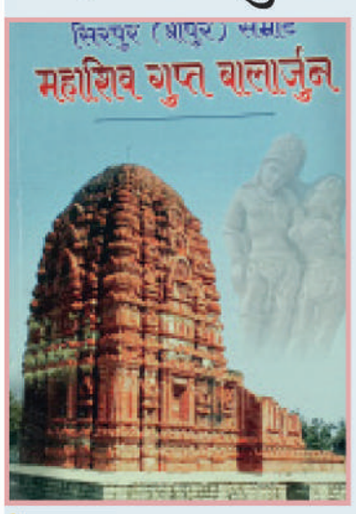

कृति के नाव
महाशिव गुप्त बालार्जुन

कृतिकार
डा. गणेश खरे

समीक्षक
बी. पी. पारकर

प्रकाशक
वैभव प्रकाशन रायपुर

कीमत
दो सौ रूपए

छत्तीसगढ़ को प्राचीन समय में दंडकारण्य के नाम से जाना जाता था। इसी कड़ी में सोमवंशी काल में यहां का शासन महाशिव गुप्त अर्थात बालार्जुन के पिता सम्राट हर्ष देव करते थे। इस अंचल को महान दार्शनिक बोधिसत्व रसायनविद नागार्जुन की जन्मभूमि होने का गौरव प्राप्त है। यहां के सांस्कृतिक समंवय और भौतिक समृद्धि में उन्नति बालार्जुन के 60 वर्षीय शासन काल में ही निर्मित हुए हैं। इनमें बौद्ध विहार, बौद्ध स्तूप,वेदशाला, जैन भवन, शिव मंदिर, अन्नागार औद्योगिक स्थल के अलावा आयुर्वेद स्नान कुंड का भी निर्माण और विस्तार हुआ। महाशिव गुप्त बालार्जुन सम्राट हर्षवर्धन तथा पुलकेशिन द्वितीय के समसामयिक रहे। इनके प्रभुत्व के कारण तब भारत में बालार्जुन को छोड़कर कोई भी स्वतंत्र सम्राट नहीं था। बालार्जुन का शासन स्वयं में उसकी दूरदर्शिता, कुशल प्रशासन, शौर्य, पराक्रम, सांस्कृतिक, धार्मिक सहिष्णुता तथा कलात्मक निर्माण का स्वर्ण युग रहा है। उपरोक्त सभी विषय-वस्तु को विस्तार से बहुत सरल रूप में पाठकों के समक्ष लाया है। आशा है पाठकों और शोधार्थियों के साथ इतिहास के प्रति रूचि रखने वाले इस पुस्तक को पढ़कर अवश्य ही लाभांवित होंगे।

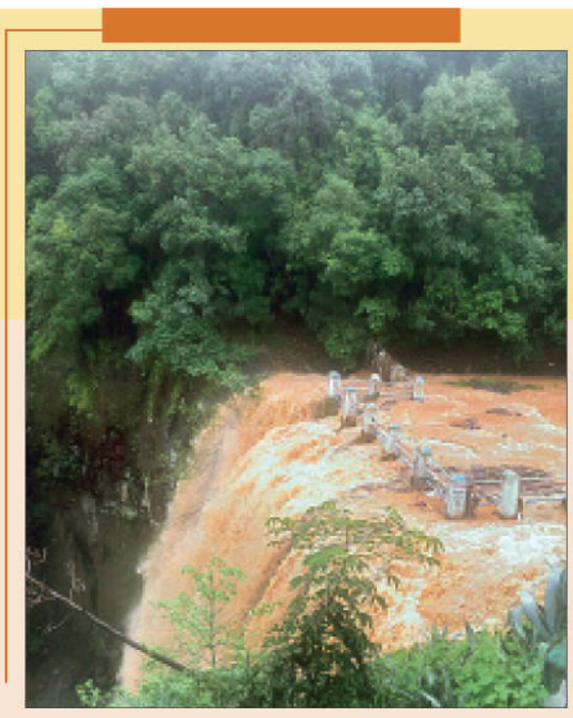

सरगुजा जिला सतपुड़ा पर्वत की उच्चतम भूमि पर स्थित लगभग 956 कि. मी. क्षेत्र में फैला है। भौतिक रचना की दृष्टि से सरगुजा का अधिकांश भाग दक्षिणी पठार का अंग रहा है, जो पुरातन कठोर चट्टानों से बना है। ऐसा अनुमान है कि 50 लाख से 2 करोड़ वर्ष पूर्व सम्पूर्ण सरगुजा ज्वालामुखी का एक ऊंचा पठार था, जो रींवा से लेकर रांची तथा पलामऊ तक फैला था। इस क्षेत्र की भूमि ऊंची नीची है। पहाड़ियां, पठार और घाटियां इसकी धरातलीय संरचना को स्पष्ट करती हैं। सरगुजिहा में ऊंचे समतल भाग को पाट कहते हैं।

तिब्बत का पठार भी कहलाता है सरगुजा

गांव की कहानी : डा. सुधीर पाठक

छत्तीसगढ़ अंचल के कोने कोने में रियासत काल के अनेक ऐतिहासिक साक्ष्य उस स्थान की विशेषता को प्रदर्शित करते रहते हैं। इसी तरह छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले का अपना भी अलग इतिहास है। यहां तक कि इस स्थल के नामकरण को लेकर भी रोचक जानकारियां हमें मिलती हैं। यदि इस स्थल का अवलोकन करें तो सरगुजा जिला सतपुड़ा पर्वत की उच्चतम भूमि पर स्थित लगभग 956 कि. मी. क्षेत्र में फैला है। भौतिक रचना की दृष्टि से सरगुजा का अधिकांश भाग दक्षिणी पठार का अंग रहा है, जो पुरातन कठोर चट्टानों से बना है। ऐसा अनुमान है कि 50 लाख से 2 करोड़ वर्ष पूर्व सम्पूर्ण सरगुजा ज्वालामुखी का एक ऊंचा पठार था, जो रींवा से लेकर रांची तथा पलामऊ तक फैला था। इस क्षेत्र की भूमि ऊंची नीची है। पहाड़ियां, पठार और घाटियां इसकी धरातलीय संरचना को स्पष्ट करती हैं। सरगुजिहा में ऊंचे समतल भाग को पाट कहते हैं। पूर्वी भाग में मैनपाट, जमीरपाट, जरंगपाट, लसुनपाट और सामरी पाट प्रसिद्ध हैं। इनमें से मैनपाट को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है तथा यहां तिब्बतियों को बसाया गया है। इस स्थल को छत्तीसगढ़ की ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाना भी प्रस्तावित है। इसकी लंबाई 28 किमी, चौड़ाई 90 कि मी और ऊंचाई समुद्र तल से 3750 फीट है। इस स्थल को सरगुजा का 'तिब्बत का पठार' भी कहा जाता है। इस तरह अंचल के सरगुजा जिले का इतिहास सदैव पाठकों और इतिहासकारों को अपनी ओर आकर्षित ही करते रहेंगे।

मनमोहक और रमणीय इंतुल जलप्रपात

पर्यटन : विश्वनाथ देवांगन

छत्तीसगढ़ की धरती प्राकृतिक वादियों के लिए भी प्रसिद्ध रही है। खासकर बस्तर अंचल इस दिशा में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस स्थल में अनेक झरने और जलप्रपात प्रर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अभी भी इस अंचल में ऐसे कई मनमोहक और सुंदर जलप्रपात है जिसके बारे में यहां के लोग भी अनभिज्ञ हैं। प्रकृति की गोद में हरियाली लिए दंतेवाड़ा अंतर्गत इंतुल जलप्रपात खूबसूरत छटा बिखने के बाद भी लोगों के लिए अंजान सा है। यह जलप्रपात दंतेवाड़ा जिले के विकासखंड कटे कल्याण के पास घने जंगलों में स्थित है। कोरीरास से भूसारास की तरफ बहने वाली नदी पर यह खूबसूरत झरना बेड़मा के डायापारा के समीप जंगलों में बड़ी-बड़ी चट्टानों से होकर इसका जल 50 फीट के तीन पड़ाव पार कर समतल मैदान में इसकी जल धाराएं उतरती दिखती हैं साथ ही पहले पड़ाव में जल दो समांतर पहाड़ों के कुंड में समाहित होता नजर आता है। दुर्गम स्थल में होने के कारण यह स्थल पर्यटकों के पहुंच से बाहर है। आवागमन के लिए उचित व्यवस्था भी इस स्थान तक पहुंचने के लिए नहीं है। यदि इस स्थान तक जाने के लिए रास्ता सुगम हो जाए, तो भविष्य में अच्छा पर्यटन स्थल घोषित हो सकता है। बरसात के दिनों में यहां के रमणीय वातावरण का आनंद लिया जा सकता है। उचित झरने के चारों ओर खूबसूरत हरे भरे वन मन को आनंदित कर देते हैं।

छत्तीसगढ़ी में मुक्तक काव्य एक दृष्टि में

लोक साहित्य : डा मंजू शर्मा

अंचल में अनेक साहित्यकारों ने छत्तीसगढ़ी और हिन्दी में लिखकर साहित्य को समृद्ध करने का ही काम किया है। कई सदी पहले से साहित्य के विभिन्न विधाओं में लेखन के परिणाम हमें मिल जाते हैं। इससे स्पष्ट हो जाती है कि अंचल में लेखन परंपरा का अपना समृद्ध इतिहास रहा है। छत्तीसगढ़ी मुक्तक काव्य परंपरा की शुरूआत बीसवीं सदी के प्रारंभ में मिलता है। इस संदर्भ में पंडित लोचन प्रसाद पांडेय व पंडित पृथ्वीलाल तिवारी छत्तीसगढ़ी काव्य आंदोलन के प्रणेता और नई पीढ़ी के प्रेरक प्रमाणित हुए। इस कड़ी को पंडित शुकलाल प्रसाद पांडेय व पंडित बंशीधर पांडेय ने आगे बढ़ाया। इस समय जगन्नाथ प्रसाद 'भानु' की कुछ रचनाओं का उल्लेख मिलता है, जिसमें 'मातेश्वरी गुटका' छत्तीसगढ़ी जस गीत का संग्रह है, जबकि 'खुसरा चिरई के बिहाव' की केवल सूचना भर मिलती है। पंडित लोचन प्रसाद पांडेय के वंदना गीत 1909 में छत्तीसगढ़ का जयगान है-

जयति जय छत्तीसगढ़ देस, जनम भूमि सुंदर सुख खान।
जहां के तिल सन हर्रा लाख, गहूं अऊ नाना विध के धान।
बनिया बैपारी के आधार, बढ़ाथे देस राज के मान।
जहां के हम सब अन संतान, सत्ताधारी सरल किसान।
हम मन ल पाके होइस धन्न, हमर प्यारा हिंदुस्तान।

विलक्षण प्रतिभा के धनी मेदिनी प्रसाद पांडेय

सुरता

कमल नारायण

मेदिनी प्रसाद पांडेय का जन्म खरसिया के पास ग्राम परसापाली में सन 1869 में हुआ था। आपकी प्रारंभिक शिक्षा पर हुई, तथा संस्कृत और व्याकरण की पढ़ाई रायगढ़ में पूरी की। आप संस्कृत, ब्रज भाषा, हिन्दी और छत्तीसगढ़ी के ज्ञाता रहे। आपने अनेक महाकाव्य की रचना की जिसमें सत्संग विलास, संग्रह सागर, रामायण, दुर्जण-दर्पण, पुंज प्रकाश, गणपति उत्सव विकट बत्तीसी प्रमुख रहे। आपके गीत नाचा-गम्मत और नाटकों में उपयोग किए जाते थे। आप साहित्यिक कार्यों के साथ समाज सेवा में भी संलग्न रहते थे। आप 27 मार्च 1952 को इस सांसारिक जीवन से मुक्त हो गए। आपके नाती का अल्पायु 10 वर्ष में निधन हो जाने पर आहत होकर इस गीत की रचना की-

प्रातःकाल उठि अब मेरे ढिग एहै कौन,
बाबा कहि बार बार मोहि को पुकारैगो?
प्रातः के कलेउ काज मातु परियैहै कौन,
रूठे भगिनी तो कौन चुप करावैगो?

कला जगत

कुसुमलता सिंह

छत्तीसगढ़ में आल्हा गायन की परंपरा

छत्तीसगढ़ अंचल में आल्हा या तो बुंदेली रूप में गाया जाता है या फिर छत्तीसगढ़ी रूपांतरण के साथ प्रस्तुत होता है। बुंदेली रूप प्रायः पुस्तकों के आधार पर गेय है, जबकि छत्तीसगढ़ी रूप अलिखित व मौखिक परंपरा के अनुरूप एक कंठ से दूसरे कंठ में बसता है। इस लोक गाथा का छत्तीसगढ़ पर इतना प्रभाव पड़ा है कि आल्हा ऊदल के एक भाई को छत्तीसगढ़ी के फाग गीतों में भी स्थान मिला है।

भारत के हर अंचल में आल्हा गायन की अपनी परंपरा है। हिन्दी साहित्य के वीरगाथा काल में कवि जागनिक द्वारा रचित वीरगाथात्मक काव्यग्रंथ में आल्हा ऊदल की व्याप्त चर्चा है। आल्हा की प्रकाशित पुस्तकों में 52 युद्धों का वर्णन मिलता है। छत्तीसगढ़ अंचल में आल्हा या तो बुंदेली रूप में गाया जाता है या फिर छत्तीसगढ़ी रूपांतरण के साथ प्रस्तुत होता है। बुंदेली रूप प्रायः पुस्तकों के आधार पर गेय है, जबकि छत्तीसगढ़ी रूप अलिखित व मौखिक परंपरा के अनुरूप एक कंठ से दूसरे कंठ में बसता है। इस लोक गाथा का छत्तीसगढ़ पर इतना प्रभाव पड़ा है कि आल्हा ऊदल के एक भाई को छत्तीसगढ़ी के फाग गीतों में भी स्थान मिला है। यह बात अलग है कि उनका यह तीसरा भाई निर्बल माना गया है। छत्तीसगढ़ के राऊत जाति के लोग प्रमुख लोकगीत बांस गीतों में भी आल्हा गायन किया जाता है। बांस गीतों के लोकतांत्रिक अध्ययन के अंतर्गत कथा है कि हिरण के आखेट के बहाने ऊदल अपने प्रिय बिंदुलिया घोड़े पर सवार होकर उरई पहुंच जाता है। वहां के सरोवर में पानी भरने आई पनिहारिनों से अपने घोड़े को पानी पिलाने को कहता है। पनिहारिनें ऊदल की इस बात को अपना अपमान समझकर उसकी उपेक्षा करती हैं। ऊदल अपनी गुलेल से उनके घड़ों को फोड़ देता है। पनिहारिनें राजा से शिकायत करती हैं। इसे सुनकर वहां के राजा चंदेल के नरेश को विरोध में पत्र लिखते हैं। इस पत्र के उत्तर में चंदेल लिखते हैं कि पनिहारिनों के जो घड़े फूटे हैं उनके बदले में स्वर्ण घट भिजवा दिए जाएंगे। इस तरह ऊदल की वीरता के प्रति राजा की आसक्ति का आभास हो जाता है।

हुमायूं सईद पाकिस्तानी अदाकार व निर्माता हैं। 'पंजाब नहीं जाऊंगा' जैसी बेहतरीन फिल्म करने वाले हुमायूं टेलीविजन के हिट कलाकार हैं। मॉडलिंग व फैशन डिजाइनिंग का आनन्द लेने वाले हुमायूं को ढेरों पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। मेरे पास तुम हो, रोमांटिक सीरियल होने के बावजूद अपनी तरह का बिल्कुल अलग फ्लेवर लिये हैं। जिसकी चर्चा भी हुई और आलोचना भी। इसको लेकर हुमायूं से हुई लंबी बात के कुछ अंश-

धोखा नहीं देतीं औरतें

- हुमायूं सईद

'मेरे पास तुम हो' में अपने किरदार 'दानिश' से कितना जुड़ाव महसूस करते हैं, क्या जिंदा रहने के लिये प्यार ही काफी है?

'मेरे पास तुम हो' ऐसा शो है, जिसे बहुत प्यार मिला है और दानिश और मैं बिल्कुल अलग-अलग शख्सियतें है, अगर तुलना करें तो वह मुझसे ज्यादा सरल और भोला है लेकिन मेरा मानना है कि जज़्बाती तौर पर वह और मै काफी एक जैसे है। मै और मेरी बीवी करीब 25 सालों से एक-दूसरे के साथ है, जैसा कि दानिश है और मै अपनी शादी का उस तरह से खात्मा नहीं चाहता क्योंकि मुझे मेरी बीवी से प्यार है। जिस तरह से कहानी खत्म होती है, उसे देखते हुए मुझे इस किरदार के साथ सहानुभूति है।

आप इस शो के निर्माता भी हैं, काल्पनिक सवाल है कि अगर यह शो भारत में बनाया जाता तो मुख्य किरदारों में कौन-से भारतीय कलाकार सही रहते?

मै भारत में भी इस शो के रीमेक के लिये दानिश का किरदार निभाना पसंद करूंगा। बहुत सोचने के बाद मेरा मानना है कि दानिश के किरदार को सबसे अच्छी तरह मनोज वाजपेयी निभा सकते है और शेहवार के किरदार के लिये आकर्षक अर्जुन रामपाल सही रहेंगे।

क्या दर्शक अभी ऐसे कंटेन्ट के लिये तैयार नहीं हैं? बदलाव लाने में किससे मदद मिलेगी?

महिलाओं का पति को धोखा देना बहुत कम सुनने में आता है। मर्दो से धोखा करने वाली औरतों की तादाद तुलनात्मक रूप से कम है लेकिन इसे पूरी तरह नकारा भी नहीं जा सकता। यह बात ही अपने आप में बहुत विवादित है इसलिये मनोरंजन के लिये इस विषय को छुआ नहीं गया है। मेहविश पर शेहवार की चालाकी ह्यावी रहती है और अपने पति को धोखा देने के लिये यह उसके कारणों में से था क्योंकि औरतों के पास खुद को साबित करने के मजबूत कारण हमेशा होते है, जिससे ऐसी स्थितियाँ बनती है। औरतें समाज में अपनी इज्जत के चलते धोखेबाजी को आखिरी विकल्प के तौर पर चुनती है। अपार सफलता का कारण है इसकी अनूठी कहानी, जो सामान्य कहानियों से बिल्कुल अलग है।

भारत के दर्शकों का पाकिस्तानी कंटेन्ट के साथ जुड़ाव कैसे बनता है?

मुझे लगता है कि किरदार की सरलता भारतीय दर्शकों को पाकिस्तानी कंटेन्ट से जोड़ती है। जैसे कि भारतीय ओटीटी सीरीज में किरदार कम नाटकीय तरीके से धीरे-धीरे खुलते है और हमारे ड्रामा बहुत हद तक उनके जैसे है। 'मेरे पास तुम हो' में गाने बहुत कम है, जिससे सादगी का एहसास होता है।

ओटीटी ने दोनों देशों के बीच की सरहदों को धुंधला करने में मदद की है?

पाकिस्तान में ओटीटी की संस्कृति भारत की तरह विकसित नहीं हो पाई है इसलिये वहाँ टेलीविजन और ड्रामा ही मनोरंजन के सबसे अनुकूल माध्यम है। जबकि मै नेटफ्लिक्स और अमेज़न पर भारत के कई ओटीटी शोज देखता हूँ, उनके काम की लगातार सराहना करता हूं और उन्हें पसंद करता हूँ। दूसरी ओर, यूट्यूब ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो सरहदों को धुंधला करने में मददगार है क्योंकि भारत में प्रशंसकों ने उस पर लगातार हमारे ड्रामा देखे है।

आपने कहा था कि आप भारत आना चाहते हैं। किन फिल्मकारों के साथ काम करना पसंद करेंगे?

भारत में काम के लिये आने के अलावा वहाँ का दौरा करना हमेशा से मेरी चाहत में सबसे ऊपर रहा है, मुझे अपने परिवार के साथ बिताई छुट्टियों और साथी कलाकारों, जैसे कि शरद कपूर, आमिर खान, गुलज़ार आदि से मुलाकात की याद आती है। मेरी कामना है कि सीमाएं खुलें और हम संकोच या वीज़ा की मुश्किलों के बिना एक-दूसरे के इवेंट्स में जाएं और कलाकारों के रूप में मिलकर जश्न मनाएं।

किसी भारतीय कलाकार या फिल्मकार का काम, जो देखा और पसंद किया है?

ऐसे कई नाम है, जो मै बताना चाहता हूँ लेकिन मेरे चहेते शोज/मूवीज है जुबिली, मिर्जापुर, सैक्रेड गैम्स, दिल्ली क्राइम, गंगूबाई, आदि। इन शोज और फिल्मों के कलाकार बेहतरीन हैं, जिन्होंने शानदार काम किया है। ■

कंगना-आलिया की तारीफ की श्रद्धा कपूर ने

श्रद्धा कपूर ने खुलासा किया कि फिल्म 'स्त्री' में उनकी भूमिका फिल्म का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के बजाय कैमियो किरदार था । श्रद्धा ने कहा, 'जब मुझे फिल्म की पेशकश की गई थी, तो मुझसे कैमियो, विशेष भमिका निभाने की उम्मीद की गई थी। मै फिल्म के आधार से बहुत चकित थी जो बहुत दिलचस्प था। इसमें बड़ा सामाजिक संदेश था जिसे मनोरंजक तरीके से प्रस्तुत किया गया था। तो, मैंने उनसे पूछा, 'क्या मै कलाकारों का हिस्सा बन सकती हूं? क्या यह विशेष उपस्थिति नहीं हो सकती? मै ऐसा महसूस नहीं करना चाहती कि यह विशेष उपस्थिति है।' और वे सहमत हो गए। और मेरे लिए सबसे आगे होना, फिल्म के पोस्टर पर होना - मुझे गर्व महसूस हुआ। श्रद्धा ने आलिया भट्ट और कंगना रनौत की प्रशंसा की और कहा, ''गंगूबाई काठियावाड़ी, राज़ी जैसी फिल्मों के साथ ही मणिकर्णिका है, उनमें से कुछ ब्लॉकबस्टर है, उनमें से कुछ नहीं है। इतना ही नहीं बल्कि हसीना पारकर, थलाइवी भी दमदार है। इसलिए मुझे लगता है कि लोग मजबूत महिला किरदारों और मजबूत कहानियों की तलाश में है। सच कहूं तो मै किसी भी दिलचस्प कहानी के लिए तैयार हूं।'

जीवनी पर आधारित फिल्म में सुनील

नये कलाकार सुनील मीणा को जीवनी फ़िल्म के मुख्य भूमिका में चुना गया है। इसका निर्देशन ऋतुराज द्वारा किया जाएगा, जो समाज सुधारक और संत आचार्य गरीब साहेब के जीवन पर केंद्रित होगी। आचार्य समाजिक अन्यायों को मिटाने और समाज के दलित वर्गो को उत्थान देने में समर्पित, जैसे छूने की अपमानिकता, बाल विवाह और दहेज जैसी प्रथाओं के खिलाफ लड़ाई, प्रेरित करता है। सुनील को 'अनुपमा', 'दूसरी माँ' शों में छोटे अभिनय के लिए जाना जाता है।

मैं खुद को भाग्यशाली महसूस करता हूं- मोहित रैना

निष्कर्षण मिशन पर निकला आदमी, सीरिया के युद्धग्रस्त शत्रुतापूर्ण माहौल में बंदी बनाई गई युवा लड़की की मौत की खबर दुनिया से कैसे बच पाएगी? डिज्नी+हॉटस्टार एक्सट्रैक्शन सीरीज़ 'द फ्रीलांसर' 1 सितंबर को रिलीज के लिए तैयार है। श्रृंखला शिरीज थोराट की पुस्तक - ए टिकट टू सीरिया पर आधारित है, जो भाव धूलिया द्वारा निर्देशित है। अभिनेता मोहित रैना और अनुभवी अभिनेता अनुपम खेर हैं। श्रृंखला में सुशांत सिंह, जॉन कोकेकेन, गौरी बालाजी और नवनीत मलिक, मंजिरी फडनिस, सारा जेन डायस जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी शामिल है। मोहित ने कहा- 'हालांकि अनुपम सर मेरे जैसे अभिनेताओं के लिए किवंदती है, लेकिन उन्हें यह कहलाना पसंद नहीं है। उनके साथ काम करना जाहिर तौर पर बड़ा अवसर है, मै खुद को भाग्यशाली मानता हूं। '

चिंगारियाँ उड़ती हैं- अमृता राव

अपने चैट शो 'कपल ऑफ थिंग्स' के माध्यम से आरजे अनमोल और अमृता राव, जो सेलिब्रिटी जोड़ों से खुलकर बात करने के लिए कहते है। अमृता कहती है 'समीर वानखेड़े के अनछुए पहलू को जानकर हमें सुखद आश्चर्य हुआ। समीर और क्रांति सिर्फ दो अलग-अलग प्रोफेशन से नहीं है, वे कई अन्य मायनों में एक-दूसरे से अलग है। हालाँकि, जब दो विपरीत व्यक्तित्व मिलते है तो चिंगारियाँ उड़ती है और वे एक-दूसरे को पूर्ण और पूरक बनाते है। उनकी केमिस्ट्री और उन्हें साथ बांधने वाले बंधन की खोज करना बहुत दिलचस्प था।'

रिवेंज ड्रामा 'हड्डी'

घरेलू वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और बहुभाषी कहानीकार जी5, डायरेक्ट-टू-डिजिटल फिल्म 'हड्डी ' के साथ तैयार है। क्षअत अजय शर्मा द्वारा निर्देशित, इस हार्ड-हिटिंग नॉयर रिवेंज ड्रामा में इला अरुण, मोहम्मद जीशान अय्यूब, सौरभ सचदेवा, श्रीधर दुबे, राजेश कुमार, विपिन शर्मा और सहर्ष शुक्ला के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अनुराग कश्यप मुख्य भूमिकाओं में है। हड्डी जल्द ही जी 5 पर आएगी। 'हड्डी' मनोरंजक अपराध प्रतिशोध पर आधारित ड्रामा है, जिसमें शानदार अभिनेता नवाजुद्दीन ने उल्लेखनीय बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए दो अलग-अलग पात्रों - हड्डी और हरिका, ट्रांसजेंडर महिला को चित्रित करने की चुनौती ली। नवाजुद्दीन और अनुराग कश्यप के असाधारण प्रदर्शन, उनकी तीव्रता और गहराई इसको अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव बना देगी।

रोमांचक एक्शन-थ्रिलर 'किंग ऑफ कोठा'

अभिलाष जोशी द्वारा निर्देशित रोमांचक एक्शन-थ्रिलर 'किंग ऑफ कोठा' शाहरुख खान, मोहनलाल, सूर्या और नागार्जुन द्वारा लॉन्च किया गया। दुलकर सलमान अभिनीत, यह एक्शन ड्रामा शैली को फिर से परिभाषित करने और ओणम पर धोखे के दायरे में ले जाने के लिए तैयार है। 'किंग ऑफ कोठा' मनोरंजक कहानी बुनती है, जहां वफादारी खतरनाक जुआ हो सकती है। रहस्य खुलते जा रहे है और गठबंधन टूटते जा रहे है। दुलकर ने कहा, 'किंग ऑफ कोठा' असाधारण यात्रा रही है। समृद्ध किरदार, जटिल कहानी और भव्य उत्पादन पैमाने ने इस फिल्म को अलग बना दिया है। ज़ी स्टूडियो के साथ पहली बार सहयोग किया जा रहा है।' फिल्म में ऐश्वर्या लक्ष्मी, शबीर कल्लारक्कल, प्रसन्ना, नायला ऊपा और गोकुल सुरेश भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में है।

मनाली में 'अनदेखी 3' की शूटिंग शुरू

दिब्येंदु भट्टाचार्य 'अनदेखी 3' की शूटिंग शुरू करते हुए क्राइम थ्रिलर श्रृंखला के साथ पहेली पैदा कर दी है। पिछले दो सीज़न में दिब्येंदु के सूक्ष्म और सशक्त अभिनय ने उनके पात्रों में जान फूंक दी है। 'अनदेखी' से जुड़ी पहेली को सुलझाने में योगदान दिया है। 'अनदेखी 1' और 'अनदेखी 2' के लिए उत्सुकता पैदा कर दी है। दिब्येंदु बताते हैः ''मै अपने किरदार डीएसपी बरुण घोष की सराहना करने के लिए आभारी हूं। श्रृंखला ने जो पहेली बनाई है।'

रोमांटिक ड्रामा में मनीष

शेमारू उमंग के रोमेंटिक ड्रामा शो 'क्योंकि तुम ही हो' में अमर उपाध्याय द्वारा निभाया गया किरदार नए चेहरे के साथ लौट रहा है। मनीष का किरदार करण की मौत के पीछे की रहस्यमय साजिश को उजागर करेगा। करण के वापस आने से सभी रिश्तों में न सिर्फ कई बदलाव आएँगे। मनीष ने कहा, 'मै रोमांचित हूं। यह बहुत चैलेंजिंग होगा चूंकि आपके अभिनय की तुलना पिछले से की जाती है और इसमें दुखी होने वाली कोई बात नहीं है क्योंकि ये बहुत स्वाभाविक है। इसके कई लेयर्स है, जिसे निभाना बहुत रोचक होने वाला है और बहुत मज़ा आएगा।'

भारतीय सिनेमा की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों का जश्न

फिल्म निर्माताओं, अभिनेताओं, तकनीशियनों, लेखकों, आलोचकों और अन्य सहित 150 से अधिक सिनेप्रेमियों के योगदान से संकलित, 'बेस्ट इंडियन फिल्म्स फॉरएवर' (बीआईएफएफ) सूची फिल्म कंपेनियन की पहल है, जो भारतीय सिनेमा का जश्न मनाती है। मीरा नायर, करण जौहर, जोया अख्तर, ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर, इम्तियाज़ अली, राजकुमार हिरानी, हंसल मेहता, सिद्धार्थ रॉय कपूर और अनिल कपूर, तिग्मांशु धूलिया, अयान मुखर्जी और पाकिस्तानी फिल्म निर्माता बिलाल लशारी सहित भारतीय सिनेमा के योगदान के साथ, यह सूची क्लासिक्स के साथ-साथ छिपे हुए रत्नों को साथ लाती है। 10 सबसे अधिक पसंद की जाने वाली भारतीय फिल्में-

(1) शोले, (2) पाथेर पांचाली, (3) प्यासा, (4) जाने भी दो यारो और मेघे ढाका तारा, (5) मुग़ल-ए-आज़म, (6) वारुलता, (7) नायकन, (8) सत्या, (9) इरुवर, (10) गर्म हवा और गाइड

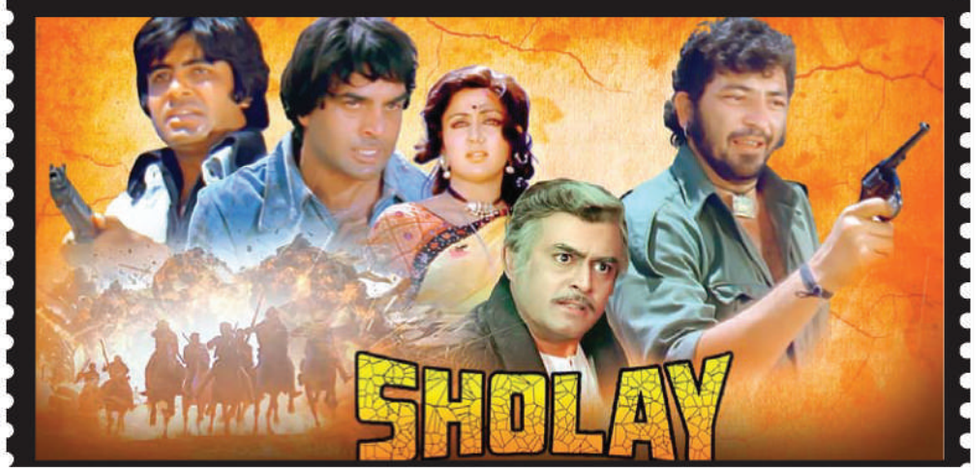

टीवी

युविका की जान खतरे में

सोनी सब के वंशज में अंजलि तत्रारी द्वारा अभिनीत किरदार युविका के जीवन में अप्रत्याशित मोड़ आता है। युविका पिता प्रेमराज के ड्रीम प्रोजेक्ट फीनिक्स होटल को पूरा करने के काम में संघर्षो का सामना करना पड़ता है। इस काम में कई कठिन चुनौतियां सामने आती है, जो उसके कौशल की परीक्षा लेती है। अंजलि तत्रारी ने कहा- 'जैसे-जैसे साजिश की परतें खुलती है, उसका दृढ़ संकल्प भी हारता हुआ प्रतीत होने लगता है, वह खुद को ऐसी चुनौतियों का सामना करती हुई पाती है, जिनकी उसने कभी कल्पना भी नहीं की थी। इस कहानी में आने वाले उतार-चढ़ाव दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखेंगे और यह सोचने के लिए मजबूर कर देंगे कि युविका की किस्मत में आगे क्या लिखा है।'

विभा छिब्बर : आधुनिक मातृसत्ता

अनुभवी अभिनेत्री विभा छिब्बर कलर्स के 'नीरजा... एक नई पहचान' में है। उनका किरदार परंपरा और ताकत के संयोजन का प्रतीक है जो समकालीन मातृसत्ता को परिभाषित करता है। वह कहती है, 'मै बहुत सख्त हुए बिना पारिवारिक संबंधों को बनाए रखने में विश्वास करती हूं। हमें बदलावों को स्वीकार करते हुए अपनी असलियत को भी याद रखना चाहिए। बदलते समय के साथ तालमेल बिठाना बहुत ज़रूरी है। बदलती दुनिया के साथ परंपरा को महत्व देने वाली मातृसत्ता की भूमिका निभाना अलग चुनौती है। उसका व्यक्तित्व सच्ची मातृसत्ता के सार का प्रतीक है।'

अंशुला की जगह साक्षी शर्मा

कलर्स के 'सुहागन' ने 10 साल की लीप ली है, जिसके साथ साक्षी शर्मा पायल के रूप में प्रवेश कर रही है, जिसे पहले अंशुला धवन निभा रही थी। साक्षी कहती है, 'मै खुश हूं। मै चालाक लड़की पायल की भूमिका निभाते हुए रोमांचित हूं, जो अपनी बहन बिंदिया से नफरत करती है। पायल का किरदार उतार-चढ़ाव और चुनौतियों से भरा है और मुझे प्रेरित किया।'

शिव और अर्चना के स्टंट

कलर्स का 'खतरों के खिलाड़ी 13' एक्शन उस्ताद रोहित शेट्टी के मार्गदर्शन में, विलक्षण स्तर के खतरे पेश करता है। अर्चना गौतम और शिव ठाकरे की प्रतिद्वंद्विता स्थायी है, जो उनके बिग बॉस 16 के सफर के बाद से जारी है। अर्चना और शिव साथ मिलकर 'वाटरी ग्रेव - क्रॉक ट्रांसफर' साहसी स्टंट करेंगे। शिव ठाकरे कहते है, 'अर्चना ने अपने कौशल को शानदार तरीके से साबित किया है, मै उनके साथ कोई भी स्टंट करने में पूरी तरह से सहज हूं। इसके अलावा, स्टंट-उन्मुख शो है, जहां केवल किसी का प्रदर्शन ही असल में मायने रखता है। हमने हर चुनौती का सामना अटूट समर्पण के साथ किया है।'

गुजराती रोल निभाएंगी मानसी जोशी

जी टीवी फिर नया फिक्शन शो 'क्योंकि... सास मां, बहू बेटी होती है' लेकर आ रहा है। यह कहानी गुजरात की है, जहां धूमधाम से चल रहे नवरात्रि के शानदार उत्सव के बीच पालनपुर के राजगौर परिवार में तूफान उठने वाला है, जब इस घराने की सबसे छोटी बहू हेतल,बहू की पारंपरिक भूमिका निभाने से इंकार कर देती है और परिवार से अलग होना चाहती है। अंबिका अनाथ आश्रम के दरवाजे पर छोड़ी गई नन्हीं बच्ची केसर को गोद लेती है और केसर की परवरिश बेटी की तरह नहीं बल्कि बहू के तौर पर करेगी। मानसी जोशी रॉय पक्के इरादों वाली बड़ी बहू अंबिका का रोल निभा रही है।मानसी कहती है, 'इस शो का कॉन्सेप्ट अनोखा है। इससे पहले टेलीविजन पर कभी नहीं दिखाया गया। मै भी बहू हूं। मेरे लिए फैमिली लाइफ बहुत मायने रखती है क्योंकि ज़िंदगी के अलग-अलग अनुभवों ने मेरे लिए इस किरदार को निभाना बड़ा स्वाभाविक बना दिया। '

योगेश त्रिपाठी ने यादगार लम्हों को संजोया

योगेश त्रिपाठी का मानना है कि पुराने फैशन की तस्वीरों में कुछ तो खास बात है, जिसे डिजिटल फोन कैप्चर नहीं कर सकते है। त्रिपाठी ने बताया कि उन्हें पुराने जमाने की फोटोग्राफी के जरिये जिंदगी के यादगार लम्हों की तस्वीरें लेना और उन्हें सहेज कर रखना कितना पसंद है। उन्होंने अपने बीते पलों की खास और यादगार तस्वीरों को फोटो एलबम्स के रूप में सहेज कर रखा है, जो उनकी अब तक की जिंदगी की दास्तां को बयां करती है। योगेश ने अपने बच्चों के जीवन के खास पलों की तस्वीरें लेकर भी खुशी को जारी रखा है, जिसमें उनके जन्म से लेकर पहला कदम चलने और स्कूल की उपलब्धियों तक की तस्वीरें शामिल है। अपने बचपन के दिनों को याद करते हुये, जब तस्वीरें खिंचवाना दुर्लभ हुआ करता था, अभिनेता ने कहा कि ये तस्वीरें न सिर्फ यादों को तरोताजा करती है, बल्कि दिल को छू लेने वाली उन भावनाओं का भी दोबारा अनुभव करने में उन्हें सक्षम बनाती है, जिनसे होकर वे गुजरे है।

पुलकित की जगह नवीन शर्मा

जी टीवी के कुमकुम भाग्य में पुलकित बंगिया की जगह नवीन शर्मा नजर आएंगे। आर्यन आखिरकार रणबीर और प्राची की जिंदगी में कुछ सुकून और अच्छाई लेकर आएंगे। नवीन शर्मा ने कहा, 'मै स्क्रीन पर आर्यन का किरदार निभाने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। शादी के बाद यह मेरा पहला प्रोजेक्ट है, इसलिए मुझे इस रोल के लिए हां कहने से पहले थोड़ा सोचना पड़ा लेकिन मेरी पत्नी रोशनी में यह फैसला लेने में मेरा साथ दिया। इस तरह मै मुंबई वापस आया, हमने तय किया है कि कुछ महीनों बाद वो भी आगे की पढ़ाई के लिए मुंबई शिफ्ट हो जाएंगी। मै वाकई बहुत खुश हूं।'

श्रद्धा ने वैनिटी वैन को दिया पर्सनल टच

जी टीवी के प्राइमटाइम शो कुंडली भाग्य में श्रद्धा आर्य है। श्रद्धा अपनी वैनिटी वैन को स्टाइलिश और बेहतर बनाना चाहती थीं। उन्होंने बड़ी खूबसूरती से इसे डिज़ाइन किया और इसे आरामदेह जगह बना दिया। श्रद्धा कहती है- 'वैसे तो दिल घर में बसता है लेकिन शूटिंग की भागदौड़ के बीच वैनिटी वैन सुकून की जगह है। मैंने बढ़िया जगह बनाई है जिसमें आराम का पूरा ध्यान रखा गया है। इसमें मेरा व्यक्तित्व झलकता है। डाइनिंग की जगह मेरा फेवरेट स्पॉट है जहां मै लजीज खाने के साथ बिताती हूं। पढ़ने के लिए आरामदायक कोना है जो स्क्रिप्ट्स और किताबें पढ़ने में मेरी दिलचस्पी और जगाता है। आशियाना है,जो मेरी खुशी का ख्याल रखता है और मुझे हर दिन नए जोश के साथ बेस्ट देने के लिए प्रेरित करता है।'

फ्यूजन गाना 'आ गया नी'

पंजाबी गायिका गीतकार और 'वॉयस ऑफ पंजाब' की विजेता सिमरन चौधरी गाना 'आ गया नी' के साथ आ गई है। चंडीगढ़ की रहने वाली, सिमरन हिंदुस्तानी शास्त्रीय प्रशिक्षण को आगे लाती है। गीत के बोल राजा द्वारा लिखे गए है, संगीत एडन द्वारा संचालित है। सिमरन ने कहा- 'आ गया नी' पारंपरिक लोक संगीत और पॉप के समकालीन वाइब्स दोनों के प्रति मेरे जुनून और प्यार को प्रतिबिंबित करने वाला दर्पण है।'

सच्चाई का पता लगा पाएगा राजेश

'वागले की दुनिया - नयी पीढ़ी नये किस्से' सोनी सब का पारिवारिक ड्रामा है। राजेश (सुमीत राघवन) के पिता श्रीनिवास (अंजन श्रीवास्तव) का कहीं पता नहीं चलता है। हर कोई इससे परेशान है और एक-दूसरे की मदद करने की कोशिश कर रहा है। सुमीत राघवन ने कहा, 'अपने पिता को मलबे के नीचे खोजने के लिए सबकुछ करना होगा, और दूसरी तरफ, लोग आरोप लगा रहे है कि इस दुर्घटना के पीछे उसका बड़ा भाई ज़िम्मेदार है। अपने भाई को बेगुनाह साबित करना होगा।'

पौराणिक शो 'श्रीमद रामायण'

भारतीय परिवारों को, आज भी प्रासंगिक संपूर्ण आदर्शों और जीवन की महत्वपूर्ण सीखों को उजागर करने वाले, प्राचीन आध्यात्मिक युग में ले जाते हुए, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न 'श्रीमद रामायण' के साथ भगवान राम की महागाथा को शुद्ध रूप में जीवंत करने वाला है। यह पौराणिक शो जनवरी 2024 में लॉन्च होने वाला है।

श्रीमद रामायण

आयुष्मान और अनन्या टीवी पर

जी टीवी के शो कुंडली भाग्य में सना सैयद है। जहां फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' के सितारे आयुष्मान खुराना (परम) और अनन्या पांडे (परी) नजर आएंगे। लुथरा परिवार काव्या (मीनल एन. चंद्रा) के संगीत की तैयारी कर रहा है, जहां राखी मां सरप्राइज विजिट का इंतज़ाम कर रही हैं। सना सैयद ने कहा - आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे के साथ काम करना वाकई बड़ा शानदार अनुभव था, उनके आने से जो ट्विस्ट आया खासतौर पर आयुष्मान की सहज परफॉर्मेंस ने नया डायमेंशन जोड़ा। उन्होंने इतनी सफाई से यह सीन किया कि मुझे मिलाकर सभी कलाकार और क्रू मंत्रमुग्ध हो गए। दोनों के साथ शूटिंग करना बड़ा प्रेरणादायक अनुभव था।'

भारतीय रिजर्व बैंक ने अप्रैल 2023 में द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक के बाद ऐलान किया था कि जल्द ही लोग अपने पुराने बैंक खाते में पड़े पैसों को निकाल सकेंगे। इसके लिए बैंक ने इसी दिन एक पोर्टल बनाने का भी ऐलान किया था। यह पोर्टल अब बनकर तैयार हो गया है इसलिए अब आप अपने पुराने बैंक खातों में जमा रकम को आसानी के साथ निकाल सकेंगे। अगर आपने पहले कई बार अलग-अलग बैंकों में अपने खाते खोल रखे हैं लेकिन वर्तमान समय में उसमें ट्रांजेक्शन नहीं कर रहे हैं तो आप इस सुविधा के जरिए पता कर सकेंगे कि किस बैंक खाते में आपके कितने पैसे जमा हैं। आप कुछ औपचारिकताओं को पूरा करके अपनी रकम निकाल सकते हैं। जल्दी कीजिए क्या पता आपके हाथ कोई मोटी रकम लग जाए

पुराने बैंक खातों में पड़ी रकम निकालने का मिला मौका

आपके हाथ लग सकती है बड़ी रकम

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

बड़ी संख्या में लोग अपने छात्र जीवन से ही बैंक खाता खोलकर बैंक के ग्राहक बन जाते हैं। इसके बाद जीवन में कई बार अलग-अलग बैंकों में अपना खाता खोलने की जरूरत पड़ती रहती है और वे पुराना खाता बंद किए बिना नया खाता खोल लेते हैं। कई बार माता या पिता के नौकरीपेशा होने की वजह से उनके तबादलों के कारण कई शहरों में खाता खोलने की जरूरत पड़ती है तो कई बार किन्हीं अन्य कारणों से लोगों को अलग-अलग बैंकों में खाता खोलने की जरूरत पड़ती है। इस तरह एक-एक व्यक्ति के कई बैंकों में खाते हो जाते हैं जिन्हें वह बंद तो करता नहीं है अलबत्ता उसके बारे में बिल्कुल भूल ही जाता है। इसी तरह के बैंक खातों में लगभग 35 हजार करोड़ रुपए की धनराशि पड़ी हुई है जिसका कोई दावेदार नहीं है। इस धनराशि के रखरखाव पर व्यावसायिक बैंकों व भारतीय रिजर्व बैंक को खासी धनराशि खर्च करनी पड़ती है। इसी के चलते भारतीय रिजर्व बैंक ने छह अप्रैल को द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा के बाद ऐलान किया था बैंक खातों में पड़ी बिना दावे वाली रकम उसके असली दावेदारों तक जल्द लौटाई जाएगी और इसके लिए जल्द ही एक पोर्टल शुरू किया जाएगा। बैंक ने यह भी कहा था कि इस पोर्टल पर ऐसे बैंक खातों का पूरा विवरण होगा जो खाते लोगों ने खोले तो थे लेकिन लंबे समय तक उनमें ट्रांजेक्शन ना होने के कारण बैंकों ने उन्हें दस साल बाद निष्क्रिय खातों की श्रेणी में डाल दिया।

उद्गम नाम से शुरू हुआ पोर्टल

केंद्रीय बैंक ने अपनी घोषणा के अनुरूप उद्गम नाम से एक ऐसा पोर्टल लांच कर दिया है जिसमें बैंक ग्राहकों के ऐसे बैंक खातों का विवरण है जिसमें कुछ न कुछ धनराशि पड़ी है लेकिन उसको क्लेम करने वाला कोई नहीं है। इन खातों में दस साल से लेकर 20 साल तक के कई खाते निष्क्रिय पड़े खाते शामिल हैं। अगर आपने भी कई बार अलग-अलग बैंकों में अपने खाते खोल रखे हैं तो आप इस पोर्टल के जरिए अपने खातों की जानकारी हासिल कर सकते हैं। साथ ही अगर खातों में आपकी कुछ रकम पड़ी है तो उसे विड्राल भी कर सकते हैं।

फिलहाल पोर्टल पर सभी बैंकों का विवरण नहीं

फिलहाल रिजर्व बैंक द्वारा शुरू किए गए पोर्टल पर सभी बैंकों का विवरण नहीं है। शुरुआत में केंद्रीय बैंक ने इस पोर्टल पर सात बैंकों के ऐसे बैंक खातों का विवरण दिया है जो पिछले कई वर्षों से बंद पड़े हैं और इनमें से प्रत्येक खाते में कुछ न कुछ धनराशि पड़ी हुई है। जिन बैंकों के खातों का विवरण अभी पोर्टल पर उपलब्ध है उनमें भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, धन लक्ष्मी बैंक, साउथ इंडियन बैंक, डीबीएस बैंक और सिटी बैंक

शामिल हैं।

चरणबद्ध तरीके से अन्य बैंक भी शामिल होंगे

इस पोर्टल पर फिलहाल सात बैंकों के निष्क्रिय बैंक खातों का विवरण दिया गया है लेकिन अन्य बैंकों के ऐसे ही खातों का विवरण चरणबद्ध तरीके से दिया जाता रहेगा। आपको इस पोर्टल को चेक करते रहना होगा तभी आपको पता चलेगा कि आपके खाते जिन बैंकों में थे उनका विवरण इस पोर्टल पर अपलोड किया गया कि नहीं। ध्यान रहे कि यह सुविधा संभवतः ज्यादा समय तक नहीं चलेगी और एक बार ग्राहकों को अपनी पुरानी रकम वसूलने का मौका दिये जाने के बाद जब सरकार को यह लगेगा कि अब शेष धनराशि की दावेदारी करने वाला कोई नहीं है तो संभवतः वह अनक्लेम्ड धनराशि को राष्ट्र के विकास में इस्तेमाल कर सकती है।

पोर्टल का कैसे करें इस्तेमाल

उद्गम पोर्टल https://udgam.rbi.org.in/ पर जाने के बाद आपको सबसे पहले अपनी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी करने होगी। रजिस्ट्रेशन से तात्पर्य यह है कि इस पोर्टल पर आपको अपना मोबाइल नंबर डालकर अपनी आईडी और पासवर्ड बनाना होगा। इसके बाद लागइन करके आप अपना नाम और बैंक अकाउंट नंबर इत्यादि भर कर अपने पुराने बैंक खाते में पड़ी धनराशि का पता लगा सकते हैं। इस पोर्टल पर अपना बैंक खाता सर्च करने के लिए सबसे पहले कैटेगरी को जरूर चुनना चाहिए। इसमें दो कैटेगरी हैं पहली इंडिविजुअल और दूसरी नॉन इंडिविजुअल। किसी एक व्यक्ति का खाता ढूंढने के लिए इंडिविजुअल कैटेगरी है जबकि हिंदू अनिडवाइडेड फैमिली, पार्टनरशिप फर्म, प्रॉपराइटरशिप फर्म, कंपनी आदि का अकाउंट सर्च करने के लिए नॉन इंडिविजुअल कैटेगरी में जाना होगा। इसके बाद अकाउंट होल्डर व्यक्ति अथवा संस्था का पूरा नाम डालना होगा। इसके बाद संबंधित बैंक को चुनें जिसमें आपका खाता है। आपको अपना पैन नंबर या वोटर आईडी या ड्राइविंग लाइसेंस या पासपोर्ट नंबर या जन्मतिथि डालनी होगी। इन सभी में से कम से कम एक जानकारी तो आपको डालनी ही होगी, जिसके आधार पर अकाउंट होल्डर के खाते की सर्चिंग की जाएगी। इसके बाद आपके सामने कई बैंक खातों की एक लिस्ट खुल जाएगी, जो अनक्लेम्ड है. आप जिसकी जानकारी ढूंढना चाहते हैं, उसका नाम ऊपर दिए सर्च बॉक्स में लिखकर सर्च कर सकते हैं। अगर आपको किसी बैंक के अपने पुराने अकाउंट में पड़ी धनराशि का पता चल जाता है तो आप इस धनराशि को क्लेम कर सकते हैं। इसके लिए आपको अपनी केवाईसी प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

पहले चल चुके हैं जागरूकता अभियान

बैंकों में पड़ी लावारिस रकम की मात्रा बढ़ने के बाद रिजर्व बैंक ने कई बार जागरूकता अभियान भी चलाए जिसमें लोगों ने रुचि तो दिखाई लेकिन अपने बैंक खातों से पुरानी रकम पाने के लिए ज्यादा कवायद नहीं की। इसके चलते केंद्रीय बैंक ने पोर्टल के माध्यम से इस रकम को वास्तविक दावेदारों तक लौटाने की पहल की है।

किस बैंक में कितनी अनक्लेम्ड रकम

बिना दावे वाली रकम के मामले में सबसे ऊपर भारतीय स्टेट बैंक का नाम है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पास अनक्लेम्ड रकम के तौर पर इस समय 8086 करोड़ रुपए हैं। इसके बाद पंजाब नेशनल बैंक के पास 5340 करोड़ रुपए, केनरा बैंक के पास 4,558 करोड़ रुपए और बैंक आफ बड़ौदा 3904 करोड़ रुपए की रकम बिना दावे वाली रकम के तौर पर पड़ी है। अन्य बैंकों में भी इसी तरह की काफी राशि जमा है।

कामर्शियल प्रापर्टी का मूल्य क्यों होता है ज्यादा

वाणिज्यिक और आवासीय संपत्तियों की तुलना करें तो हम पाएंगे कि वाणिज्यिक रियल एस्टेट अक्सर एक अधिक मूल्य देता है। यह लेख व्यक्तिगत वित्त की दृष्टि से इस अंतर के पीछे के कारणों की जांच करता है

प्रदीप मिश्रा

एक्सपर्ट, रियल एस्टेट

वाणिज्यिक संपत्तियों में उच्च मूल्यों की एक नहीं कई वजह हो सकती हैं। आइए जानने की कोशिश करते हैं कि वे कौन से कारक हैं जिनकी वजह से वाणिज्यिक संपत्तियां अक्सर ऊंचे मूल्य वसूलती हैं तो ऊंचे मूल्य दिलाती भी हैं।

आपूर्ति की तुलना में ज्यादा मांग

स्थानीय प्राधिकृत प्राधिकरण के द्वारा वाणिज्यिक संपत्तियों को आवासीय संपत्तियों की तुलना में अधिकांश जमीन का एक छोटा सा हिस्सा आवंटित किया जाता है। वाणिज्यिक जमीन की इस स्कैर्सिटी के कारण मांग आपूर्ति से अधिक होती है, जिसके कारण मूल्य बढ़ जाते है। विकासकर्ताओं और निवेशकों को उपलब्ध वाणिज्यिक स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है, जिससे इसकी लागत व कीमत बढ़ने लगती है।

संपत्ति का स्थान

वाणिज्यिक संपत्तियां आमतौर पर मुख्य स्थानों पर स्थित होती है जैसे कि केंद्रीय व्यावासिक क्षेत्र या ऐसे क्षेत्र जो अधिक पैदल यातायात और उत्कृष्ट व्यापारिक संभावना के साथ होते है। ये स्थान परिवहन, सुविधाओं और एक विभिन्न समुदाय तक सुविधाजनक पहुंच प्रदान करते है, जो उन्हें अत्यंत आकर्षक बनाते है। इस परिणामस्वरूप, इन प्रधान ख़रीदारों और निवेशकों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण संपत्ति की कीमतें बढ़ जाती है।

वाणिज्यिक संपत्तियों का ज्यादा किराया

वाणिज्यिक संपत्तियों में आमतौर पर आवासीय संपत्तियों की तुलना में अधिक किराया अर्जित करने की संभावना होती है। व्यावसायिक स्थानों पर व्यापार करने वाली कंपनियां अक्सर अधिक आय पैदा करती हैं, जिससे वह ज्यादा किराया भी अदा कर सकती हैं और महंगे किराए पर संपत्ति ले लेती हैं। इससे उसके दाम बढ़ने लगते हैं।

हाई क्लास किराएदार भी बढ़ाते हैं मांग

बहुराष्ट्रीय कंपनियां और स्थायी व्यवसाय अक्सर वाणिज्यिक स्थानों को सीधे खरीदने की बजाए किराए पर लेना पसंद करते हैं। यह पसंद निवेशकों को प्रतिस्थायी किराया आय और रिक्ति का कम खतरा सुनिश्चित करने की अनुमति देती है। ऐसे प्रतिष्ठित किराएदारों से कार्यालय स्थानों की मांग वाणिज्यिक संपत्तियों के प्रति रुझान व किराए को बढ़ाती है।

संपत्ति की लागत

वाणिज्यिक संपत्तियों का विकास आवासीय संपत्तियों की तुलना में अधिक लागतों के साथ होता है। नगर पालिकाएं विकास शुल्कों की अधिक दरें लगाती है, और वाणिज्यिक परियोजनाओं के लिए और भी कड़े नियम और विकास नियंत्रण नियम होते हैं। इन अतिरिक्त लागतों में विशेषज्ञ बुनाई, पार्किंग सुविधाएं और विनियमों की पालन शामिल है, जो वाणिज्यिक संपत्तियों की उच्च मूल्य के योगदान करते है।

बाजार गतिविधियां

वाणिज्यिक संपत्ति बाजार आमतौर पर आवासीय बाजार से अलग तरीके से काम करता है। वाणिज्यिक संपत्तियां अपनी आय की संभावना, किराया दरें, पट्टा शर्तें और किराएदार की स्थिरता के आधार पर मूल्यांकन होती है। विपरीत, आवासीय संपत्तियां आमतौर पर तुलनात्मकों, बाजार मांग के आधार पर और संपत्ति स्वयं की विशेषताओं के आधार पर मूल्यांकन होती है। ये विभिन्न गतिविधियों के तात्पर्य से वाणिज्यिक और आवासीय संपत्तियों की मूल्यों को प्रभावित करते है।

लंबे पट्टे की शर्तें

वाणिज्यिक पट्टे आमतौर पर आवासीय पट्टों की तुलना में लंबे होते है। लंबे पट्टे खिलाड़ियों और संपत्ति मालिकों दोनों के लिए स्थिरता प्रदान करते है, वाणिज्यिक संपत्ति मालिकों के लिए एक पूर्वानुमित कमाई सोत सुनिश्चित करते है। लंबे पट्टे और विश्वसनीय नकदी प्रवाह द्वारा वाणिज्यिक संपत्तियों का मूल्य बढ़ जाता है। वाणिज्यिक संपत्तियों की आवासीय संपत्तियों की तुलना में अधिक मूल्यों, सीमित उपलब्धता, मुख्य स्थान, किराया उपज की प्रतिस्पर्धा, प्रतिष्ठित किरायादार मांग, विकास लागतें, आय की संभावना, बाजार गतिविधियां और उच्च परिचालन लागतें शामिल है। ये तत्व वाणिज्यिक संपत्तियों की उच्च मूल्यों का कारण बनाते है। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि आवासीय संपत्तियों की तुलना में वाणिज्यिक संपत्तियों की कीमतें क्यों ज्यादा होती हैं और यह संपत्तियां क्यों ज्यादा लाभ देने वाली होती हैं।

जीवन बीमा का मनी बैक प्लान

बीमा के साथ बचत

अपूर्व कुमार दत्त

बीमा विशेषज्ञ

जीवन बीमा बाजार में कंपनियों द्वारा विभिन्न प्रकार के प्लान बाजार में उतार रखे हैं। इन्हीं में से एक प्लान है मनी बैक। जी... हां... जीवन बीमा का मनी बैक प्लान एक ऐसा प्लान है जिसमें जोखिम कवर के नाम पर काफी कुछ मिलता है। जीवन बीमा के मनी बैक प्लान में पालिसीधारक की मृत्यु होने पर उसे जोखिम कवर की पूरी राशि तो मिलती ही है साथ ही एक निश्चित अंतराल के बाद एक निर्धारित अवधि के अंतराल पर एक निश्चित धनराशि भी मिलती रहती है। इस तरह अगर यह कहा जाए कि मनी बैक प्लान में एक तरह से बीमा कवर तो होता ही है साथ ही बचत भी होती रहती। इस प्लान में बीमा के साथ बचत का फायदा भी उठाया जा सकता है। यह पालिसी ऐसे लोगों के लिए उपयुक्त है जो बीमा योजना के माध्यम से बचत करना चाहते है और नियमित अंतराल में पैसा प्राप्त करना चाहते है। साथ ही ऐसे लोगों के लिए भी उपयुक्त है जो निश्चित बीमा कवर के साथ नियमित आय भी प्राप्त करना चाहते हैं। इस योजना में बीमित व्यक्ति की मृत्यु हो जाने पर नामिनी को पूरी बीमा राशि मिलती है और उत्तरजीविता लाभ (सर्वाइवल बेनिफिट) जो पहले दिया जा चुका हो उसे काटा भी नहीं जाता।

मनी बैक प्लान की खासियतें

मनी बैक योजना एक लोकप्रिय ट्रेडिशनल प्लान है। दरअसल इस योजना में सम्बंधित विक्रेता कंपनी की योजनाओं के अनुसार बीमा कवर 15 वर्ष, 20 वर्ष, 25 वर्ष या उससे अधिक अवधि तक के लिए होता है। मनी बैक प्लान में तीन वर्ष, चार वर्ष और पांच वर्ष के अन्तराल पर जोखिम कवर की एक निर्धारित राशि का भुगतान बीमाधारक को किया जाता है। यह राशि जोखिम कवर की दस, पंद्रह अथवा बीस फीसद भी हो सकती है। उदाहरण के लिए यदि किसी व्यक्ति ने मनी बैक योजना में दस लाख का बीमा खरीदा है और बीमा अवधि 20 वर्ष होने के साथ ही प्रत्येक पांच वर्ष पर बीमाधारक को बीमित राशी का 10% भुगतान होना है तो उन्हें प्रत्येक पांच वर्ष पर एक लाख रुपए का भुगतान मिलेगा। निर्धारित अवधि में तय किए गए प्रतिशत पर इस प्रकार के भुगतान को सामान्य तौर पर मनी बैक और तकनीकी तौर पर सरवाईवल बेनिफिट कहा जाता है।

बीमाधारक को बोनस भी

कुछ जीवन बीमा कम्पनी द्वारा 20 वर्ष की मनी बैक योजना के अंतिम चार वर्ष के अंत में प्रत्येक वर्ष लगातार बीमा कवर का 15% यानी कुल 60 फीसद सरवाईवल बेनिफिट दिया जाता है। इसके अलावा अंतिम वर्ष में शेष 40% के साथ-साथ नियमानुसार बोनस भी निर्गत होता है। उदाहरण के तौर पर अगर मनी बैक प्लान में बीमा कवर 20 लाख का है तो 16वें, 17वें, 18वें, 19वें वर्ष में बीमाधारक को 3,00,000 रुपए प्रत्येक वर्ष यानी की कुल 12,00,000/- रुपए और 20वें वर्ष में 8,00,000 रुपए के साथ-साथ नियमानुसार बोनस भी मिलेगा।

बीमाधारक के परिजनों को मृत्यु लाभ भी

इस योजना में बीमाधारक के असामयिक निधन पर उसके परिजनों को जोखिम कवर की कुल राशि का भुगतान किया जाता है। भले ही मनी बैक के रूप में बीमाधारक कुछ रकम अग्रिम के तौर पर ले चुका हो। बीमाधारक जो रकम मनी बैक के रूप में प्राप्त कर चुका होता है उसकी कटौती बीमाधारक की मृत्यु के बाद उसके परिजनों के मिलने वाली जोखिम कवर की राशि में से नहीं की जाती है।

जीवन बीमा से जुड़ी विभिन्न प्रकार की पालिसियां बाजार में हैं। इन्हीं में से जीवन बीमा की एक अहम पालिसी 'मनी बैक पालिसी' भी है। यह पालिसी एक एंडोमेंट प्लान है। जिसमें बीमित व्यक्ति को बीमा अवधि के अंत में एकमुश्त राशि प्राप्त होने के अलावा नियमित अंतराल पर बीमा राशि का निश्चित प्रतिशत भाग मिलता है। यह एक ऐसी एंडोमेंट योजना है जिसमें बीमाधारक को बीमा लाभ एक निर्धारित अंतराल पर मिलता रहता है

क्रिटिकल इलनेस राइडर की भी सुविधा

मनी बैक योजना के साथ मामूली सा अतिरिक्त प्रीमियम अदा करके क्रेता को क्रिटिकल इलनेस राइडर की सुविधा भी मिल जाती है। बीमाधारक के अत्यंत गंभीर रूप में बीमार होने, दुर्घटना में घायल होने, दिव्यांग होने इत्यादि में इस सुविधा का लाभ उठाया जा सकता है।

प्रीमियम न भरे जाने पर मिलता है ग्रेस पीरियड

सभी मनी बैक योजना में समय पर प्रीमियम का भुगतान न किए जाने पर अमूमन तीस दिनों का ग्रेस पीरियड भी दिया जाता है। यदि पालिसी पूर्व में तीन साल तक चली है, उसके उपरान्त ससमय प्रीमियम भुगतान नही हुआ है वैसी परिस्थिति में पालिसी "पेड अप" हो जाती है, यदि पालिसी तीन साल भी नहीं चली है तथा समय पर प्रीमियम भी भुगतान नहीं हुआ है तो पालिसी लैप्स हो जाती है।

लोन की सुविधा नहीं

मनी बैक योजना में जीवन बीमा कम्पनी किसी भी प्रकार के लोन की सुविधा नही प्रदान करती है। जबकि अन्य जीवन बीमा पालिसी खासकर टर्म प्लान में लोन की सुविधा आसानी के साथ मिल जाती है। इस योजना में बीमाधारक की बीमा अवधि में, पालिसी के चालू रहने की स्थिति में मृत्यु दावा भुगतान के तौर पर बीमित राशि, रिवरजनरी बोनस, टर्मिनल बोनस के साथ पूर्ण भुगतान नियमानुसार नॉमिनी को किया जाता है और इसमें पूर्व में भुगतान किए गए किसी भी मनी बैक की धनराशि को काटा / घटाया भी नहीं जाता है।

नई तरह की मनी बैक योजना

जीवन बीमा बाजार में एक मनी बैक योजना ऐसी भी है, जिसे यदि बीस वर्ष की अवधि के लिए लिया जाता है तो प्रत्येक चार वर्ष पर बीमित राशी का 15% सरवाईवल बेनिफिट बीमाधारक को मिलता है साथ ही साथ प्रत्येक पांच वर्ष पर बीमित राशी में भी इजाफा होता रहता है। उदाहरण के तौर पर यदि एक लाख का जीवन बीमा लिया गया है तो चार साल के उपरान्त पन्द्रह हजार बतौर सरवाईवल बेनिफिट प्राप्त होगा, तत्पश्चात पांच वर्ष पूर्ण होने पर 1.5 लाख का मनी बैक, दस वर्ष में 15 लाख का मनी बैक और दस वर्ष से ज्यादा 20 लाख का मनी बैक मिल जाता है। दूसरी तरफ इस प्लान में रिस्क कवर में भी इजाफा होता रहता है। गौरतलब है कि मनी बैक प्लान के प्रति लोगों का रुझान कम होने की वजह से बीमा कंपनियों ने इस तरह के प्लान में कुछ बदलाव किए हैं।

इंग्लैंड और स्पेन के बीच फीफा महिला वर्ल्डकप की खिताबी जंग आज

फाइनल मैच का सीधा प्रसारण अपराह्न 3.30 बजे से डीडी स्पोर्ट्स और स्टार स्पोर्ट्स पर, ऑस्ट्रेलिया को हरा स्वीडन ने जीता कांस्य

ब्रिस्बेन, एजेंसी। फ्रिडोलिना रोल्फो और कोसोवरे असलानी के गोलों की बदौलत स्वीडन ने शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया पर 2-0 से जीत के साथ फीफा महिला विश्व कप में तीसरा स्थान हासिल किया। कोसोवरे असलानी की दूसरे हाफ में की गई शानदार स्ट्राइक के साथ स्वीडन ने चौथी बार सेमीफाइनल में हारने के बावजूद तीसरे स्थान के प्लेऑफ मुकाबले में जीत दर्ज की। टूर्नामेंट का फाइनल रविवार को यूरोपीय चैंपियन इंग्लैंड और स्पेन के बीच खेला जाएगा।

मैच में माहौल शुरुआती मिनट में ही सेट हो गया था, जब स्वीडन ने लीड-फुटेड ऑस्ट्रेलिया डिफेंस को भेदते हुए स्टिना ब्लैकस्टेनियस को दाहिने पैर से शॉट लगाने के लिए उकसाया, जिससे मैकेंज़ी अर्नोल्ड को एक उत्कृष्ट बचाव करना पड़ा। मैच में मिली हार से निराश ऑस्ट्रेलिया के कोच टोनी गुस्तावसन ने कहा, हम आहत हैं, हम प्रशंसकों और इस देश के लिए पदक लाना चाहते थे।

आयरलैंड के खिलाफ दूसरा टी20 मुकाबला आज, मैच का सीधा प्रसारण शाम 7.30 बजे से स्पोर्ट्स-18 चैनल पर

डबलिन में फिर गदर मचाने को तैयार बुमराह

डबलिन, एजेंसी। मालाहाइड में बारिश से प्रभावित शुरुआती टी20 मैच में चर्चा का मुख्य मुद्दा जसप्रीत बुमराह की वापसी था, लेकिन अब पूरा ध्यान तेजी से दोनों टीमों के बल्लेबाजों पर केंद्रित हो गया है। गायकवाड़, रिंकू सिंह, शिवम दुबे और संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी मौका मिलने पर उल्लेखनीय प्रदर्शन करने के इच्छुक होंगे, उनकी नजर अगले टी20 विश्वकप पर होगी, जिसमें एक साल से भी कम समय बचा है।

उनमें से सैमसन जो एशिया कप के लिए भी दावेदार हैं सोमवार को घोषित होने वाली टीम से चयनकर्ताओं को प्रभावित करना चाहेंगे।

आयरलैंड के लिए, यह निचला क्रम था, जिसने उन्हें पहले टी20 में 139 रन के मामूली स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। शीर्ष छह, जिन्होंने कर्टिस कैंपर के साथ केवल 64 रन बनाए, जिनमें से 39 रन बनाए, अगर उन्हें श्रृंखला बराबर करनी है तो उन्हें रविवार को गुणवत्तापूर्ण भारतीय गेंदबाजी के खिलाफ कदम उठाना होगा। जुलाई में टी20 विश्व कप यूरोप क्वालीफायर में एंड्रयू बालबर्नी, पॉल स्टर्लिंग और लोर्कन टकर ने काफी रन बनाए थे और उनसे यहां संघर्ष करने की उम्मीद की जाएगी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं...

आयरलैंड (संभावित-11)

1. पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), 2. एंड्रयू बालबर्नी, 3. लोरकन टकर (विकेटकीपर), 4. हैरी टेक्टर, 5. कर्टिस कैंपर, 6. जॉर्ज डॉकरेल, 7. मार्क अडायर, 8. बैरी मैक्कार्थी, 9. क्रेग यंग, 10. जोश लिटिल, 11. बेन व्हाइट

भारत (संभावित-11)

1. यशस्वी जयसवाल, 2. ऋतुराज गायकवाड़, 3. तिलक वर्मा, 4. रिंकू सिंह, 5. संजू सैमसन (विकेटकीपर), 6. शिवम दुबे, 7. वाशिंगटन सुंदर, 8. अर्शदीप सिंह/आवेश खान, 9. रवि बिश्नोई, 10. जसप्रीत बुमराह (कप्तान), 11. प्रसिद्ध कृष्णा

ऐसा रहेगा पिच और मौसम का मिजाज

मालाहाइड में टी20 इंटरनेशनल में पहली पारी का औसत स्कोर 161 है। पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने यहां 17 टी20 में से 10 गंवाए हैं। पूरे दिन धूप और सुखद मौसम रहने की उम्मीद है।

डेब्यू पर बोले रिंकू सिंह- मैं अपनी मां के सपने को जी रहा हूं...

आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार को भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने अपना टी-20 मैच खेलकर डेब्यू किया है। रिंकू सिंह का कहना है कि भारतीय टीम में शामिल होकर वो अपनी मां के सपने को जी रहे हैं। रिंकू ने एक ओटीटी प्लेटफॉर्म से बात करते हुए कहा, भारतीय टीम तक पहुंचने के लिए मैंने बहुत पसीना बहाया है। खेल के प्रति मेरे जुनून ने मुझे वित्तीय परेशानियों ने निपटने में मदद की ।मुझमें आत्म-विश्वास था जिसने मुझे मजबूत बनाए रखा और इस यात्रा में आगे बढ़ाया। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए चुने जाने पर रिंकू के परिवार की प्रतिक्रिया क्या थी? इस सवाल के जवाब में रिंकू कहते हैं, मेरे माता-पिता बहुत खुश हैं। मेरी मां हमेशा कहती थीं कि कड़ी मेहनत करो जिससे भारतीय टीम में जगह बना सको और आज मैं उनके सपने को जी रहा हूं। हालांकि इस मैच में रिंकू को बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला। रिंकू आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम से खेलते हैं। बीते आईपीएल में उनका प्रदर्शन अच्छा था, लेकिन उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए टीम में नहीं चुना गया था। रिंकू ने इस आईपीएल में 59.25 की औसत और लगभग 150 के स्ट्राइक रेट से 474 रन बनाए थे।

गायकवाड़ और मैक्कार्थी सुर्खियों में

बारिश के कारण खेल रुकने से पहले रुतुराज गायकवाड़ दूसरे ओवर में जायसवाल के साथ उलझने से बच गए और 19 रन बनाकर नाबाद रहे। उनका आईपीएल सीजन सफल रहा, जहां उन्होंने 15 पारियों में 147 की स्ट्राइक रेट से 590 रन बनाए। टीम प्रबंधन ने उन्हें सितंबर के अंत में होने वाले एशियाई खेलों के लिए कप्तान बनाया है, गायकवाड़ को आगे बढ़ने से पहले कुछ बड़े स्कोर बनाने की उम्मीद होगी। बैरी मैक्कार्थी ने अपनी बल्लेबाजी क्षमता की याद दिलाते हुए आठवें नंबर पर 33 गेंद में नाबाद 51 रन बनाकर आयरलैंड को 6 विकेट पर 59 रन से उबारा। ऑलराउंडर नौ विकेट के साथ आयरलैंड के लिए संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने। हाल ही में टी20 विश्व कप यूरोप क्वालीफायर में भी उन्होंने अपनी चमक बिखेरी थी।

रोचक तथ्य

286 रन
बालबर्नी ने डबलिन में 13 टी20 में 138.8 की स्ट्राइक रेट से 286 रन बनाए हैं, जो इस स्थान पर किसी बल्लेबाज के लिए सबसे अधिक है।

06 बार
केवल छह बार भारत ने पुरुष टी-20 मैच पांच रन से कम अंतर से जीता है। उनमें से दो पिछले दो मुकाबलों में आयरलैंड के खिलाफ आए हैं।

वर्जन

टी20 क्रिकेट में कोई भी टीम बड़ी या छोटी नहीं

आयरलैंड अच्छा खेल रहा है, आप यह नहीं कह सकते कि टी20 क्रिकेट में कोई भी टीम बड़ी या छोटी है। इस प्रारूप में, एक ओवर में सब कुछ बदल सकता है, ठीक इस खेल के आखिरी ओवर की तरह। आयरलैंड इस प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

■ रवि बिश्नोई
भारत के लेग स्पिनर

दो स्वर्ण और तीन कांस्य पदक के साथ भारत का अभियान समाप्त

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप-2023 स्टेज-4

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप-2023 स्टेज-4 में भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड की आर्चरी टीम ने पेरिस में शनिवार को स्वर्ण पदक जीता। भारत ने दो स्वर्ण और तीन कांस्य पदक समेत पांच पदकों के साथ अपने विश्व कप अभियान का समापन किया। भारत की पुरुष कंपाउंड तीरंदाजी टीम जिसमें ओजस प्रवीण देवताले, प्रथमेश जावकर और अभिषेक वर्मा शामिल थे, उन्होंने फाइनल मुकाबले में यूएसए को 236-232 से हराकर विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

फ्रांस के पेरिस में 15 से 20 अगस्त तक जारी इस प्रतियोगिता में ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति गोपीचंद और स्वामी परनीत कौर की महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने स्वर्ण पदक जीता और यह भारत का इस विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक है। ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति गोपीचंद स्वामी और परनीत कौर की भारतीय महिला कंपाउंड आर्चरी टीम ने करीबी मुकाबले में मेक्सिको की एंड्रिया बेसेरा, एना सोफिया हर्नांडेज जीन और डैफन क्विंटरो की तिकड़ी को चार राउंड तक चले मैच में 234-233 से हराकर पोडियम के शीर्ष पर जगह बनाई। दूसरी तरफ ओजस प्रवीण देवताले, प्रथमेश समाधान जावकर और अभिषेक वर्मा की पुरुष कंपाउंड आर्चरी टीम ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

ज्योति सुरेखा वेन्नम ने शूटऑफ में जीता कांस्य

इस बीच ज्योति सुरेखा वेन्नम ने व्यक्तिगत कंपाउंड तीरंदाजी में कांस्य पदक अपने नाम किया। ज्योति ने कोलंबिया की सारा लोपेज को शूटऑफ में हराकर कांस्य पदक जीता। ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति गोपीचंद स्वामी और परनीत कौर की तिकड़ी ने मिलकर इस महीने की शुरुआत में जर्मनी के बर्लिन में आयोजित तीरंदाजी विश्व चैंपियनशिप में भारत की पहली महिला कंपाउंड टीम का स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले टोक्यो ओलंपियन अतानु दास, धीरज बोम्मदेवरा और तुषार प्रभाकर शेलके की भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने स्पेन को 6-2 से हराकर कांस्य पदक जीता था, जबकि भजन कौर, सिमरनजीत कौर और अंकिता भकत की भारतीय महिला रिकर्व टीम ने भी कांस्य पदक जीता था। पेरिस तीरंदाजी विश्व कप पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए अप्रत्यक्ष क्वालीफायर है। इसमें कोई प्रत्यक्ष कोटा स्थान नहीं है, लेकिन पेरिस मीट रिकर्व तीरंदाजों को रैंकिंग अंक प्रदान करेगी। इसकी मदद से पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए दो ओलंपिक खेलों का टीम कोटा निर्धारित किया जाएगा। पेरिस में व्यक्तिगत स्पर्धा जीतने वाले तीरंदाज सितंबर में मेक्सिको के हर्मोसिलो में होने वाले तीरंदाजी विश्व कप फाइनल के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगे।

भारत में फुटबॉल की केंद्रीय अकादमी को आकार देंगे वेंगर

नई दिल्ली, एजेंसी। महान कोच और वर्तमान में फीफा के वैश्विक फुटबॉल विकास प्रमुख आर्सेन वेंगर अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के साथ संयुक्त रूप से भारत में एक केंद्रीय अकादमी की स्थापना को अंतिम रूप देने के लिए अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में यहां आएंगे। फेडरेशन के अध्यक्ष कल्याण चौबे महासचिव डॉ. शाजी प्रभाकरन ने शनिवार को सिडनी में वेंगर समेत फीफा के अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के बाद चौबे ने कहा, मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हम फीफा के साथ मिलकर भारत में एक अत्याधुनिक केंद्रीकृत अकादमी स्थापित करने की कगार पर हैं, जिसमें आर्सेन वेंगर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

पंघाल ने रचा इतिहास, दूसरी बार बनीं विश्व चैंपियन

अंडर-20 वर्ल्ड रेसलिंग

नई दिल्ली। हरियाणा की रहने वाली अंतिम पंघाल ने इतिहास रच दिया है। वे लगातार दो बार अंडर 20 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर भारत की पहली महिला पहलवान बन गई हैं।

वहीं सविता ने भी 62 किलो वर्ग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। यह पहली बार है, जब भारतीय महिला टीम ने विश्व चैंपियनशिप में टीम खिताब अपने नाम किया है। गुरुवार को प्रिया मलिक ने 76 किलो वर्ग में गोल्ड जीता था। तीन गोल्ड समेत भारतीय महिला खिलाड़ियों ने कुल सात पदक अपने नाम किए हैं। इनमें अंतिम कुंडू ने 65 किलो वर्ग में सिल्वर और रीना (57 किग्रा), आरजू (68 किग्रा) और हर्षिता(72 किग्रा) ने सिल्वर मेडल जीता है। अंतिम पंघाल ने अपनी यूक्रेनी प्रतिद्वंदी मारिया येफ्रे मोवा पर 4-0 की आसान जीत दर्ज की। रिंग मे उनका दबदबा इतना था कि वे पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ दो अंक ही गंवा पाईं।

उन्होंने एशियन गेम्स में हिस्सा लेने के लिए विनेश फोगाट को चैलेंज किया था, लेकिन कुश्ती महासंघ ने बिना ट्रायल के विनेश का नाम फाइनल कर दिया था, जिस पर पंघाल ने वीडियो जारी कर आपत्ति दर्ज की थी। बाद में खुद विनेश फोगाट ने अनफिट होने की बात कहकर खुद का नाम एशियन गेम्स से वापस ले लिया था। विश्व अंडर-20 कुश्ती चैंपियनशिप 2023 जॉर्डन के अम्मान इंटरनेशनल स्टेडियम में 14 से 20 अगस्त तक आयोजित की जा रही है।

वॉलीबॉल वैगनर मेमोरियल में स्लोवेनिया ने पोलैंड को हराया

वारसॉ, एजेंसी। स्लोवेनिया की वॉलीबॉल टीम ने यूबर्ट वैगनर मेमोरियल के उद्घाटन मैच में पोलैंड पर सीधे सेटों में 25-21, 25-18, 25-21 से जीत हासिल की। पोलैंड के क्राको में खेली जा रही प्रतियोगिता में स्लोवेनिया के क्लेमेन सेबुलज और रोक मोज़कि ने अपनी टीम के लिए 17-17 अंक जुटाए, जबकि लुकाज कैक्ज़मरेक ने पोलैंड के लिए 10 अंक हासिल किए। मेहमान टीम ने खेल में बेहतरीन शुरुआत की और स्कोरबोर्ड पर 9-5 की बढ़त बना ली।

अंशिका और ऋषभ बने अंडर 11 में स्टेट चेस चैंपियन

भोपाल। यूनिकॉर्न चेस एकेडमी भोपाल में आयोजित अंडर-11 स्टेट चेस चैंपियनशिप का खिताब इंदौर की अंशिका डोंगरे और बॉयज कैटेगरी में ऋषभ कुमार ने जीता। साथ गर्ल्स कैटेगरी में उज्जैन की पावी तोमर द्वितीय और अद्विता रॉय तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं बॉयज कैटेगरी में कटनी के अथर्व पलटा द्वितीय एवं ग्वालियर के दिवित अग्रवाल तृतीय स्थान पर रहे। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार भूपेंदर सिंह, पुष्पा सिंह, सविता श्रीवास्तव, रवि श्रीवास्तव, विक्रम सिंह तोमर और देवेन्द्र सिंह तोमर ने प्रदान किए।

क्रिकेट विश्वकप आईसीसी ने लॉन्च किया ऑफिशियल मस्कट, पुरुष के हाथ में बैट और महिला के हाथ में दिखाई बॉल

महिला बॉलर और पुरुष बैटर की थीम पर बनाया गया वर्ल्डकप का मस्कट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने वनडे वर्ल्डकप का ऑफिशियल मस्कट लॉन्च कर दिया है। मस्कट को महिला बॉलर और पुरुष बैटर की थीम पर बनाया गया है। पुरुष मस्कट के हाथ में बैट और महिला मस्कट के हाथ में बॉल दिखाई गई है।

आईसीसी के मस्कट लॉन्च इवेंट में भारत की अंडर-19 विमेंस टीम की कप्तान शेफाली वर्मा और अंडर-19 पुरुष टीम के कप्तान यश धुल भी मौजूद रहे। इवेंट दिल्ली एनसीआर के गुड़गांव में शनिवार शाम को 4 बजे हुआ। वनडे वर्ल्डकप भारत में 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक खेला जाएगा। पहला मैच पिछले वर्ल्डकप की फाइनलिस्ट इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच होगा। भारत का पहला मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा।

पुरुष बैटर के पास इलेक्ट्रोमैग्नेटिक बैट

पुरुष बल्लेबाज मस्कट को एक्सप्लेन करते हुए आईसीसी ने बताया, मेल कैरेक्टर किसी भी प्रेशर सिचुएशन में कूल रहता है। बैटर का हर शॉट दर्शकों में नई एनर्जी भर सकता है। बैटर के पास इलेक्ट्रोमैग्नेटिक बैट है, उसके हर शॉट से मैच में नई एनर्जी और एक्साइटमेंट आती है।

वुमन बॉलर के हाथ में टर्बो-पावर एनर्जी

महिला बॉलर मस्कट को एक्सप्लेन करते हुए आईसीसी ने बताया, बॉलर के हाथ में टर्बो-पावर एनर्जी है, जिससे बहुत तेज स्पीड से फायरबॉल निकलती है। बॉलर की तेज रिफ्लेक्स, फ्लेक्सिबिलिटी और स्ट्रेंथ उसे एक सुपरचार्ज्ड तेज गेंदबाज बना रही है। गेंदबाज की कमर पर 6 गेंदें बंधी हैं, जो उसकी अलग-अलग गेम-चेंजिंग टैक्टिक्स को दर्शा रही है। महिला मस्कट किसी भी मैच को अपनी गेंदबाजी से बदलने की क्षमता रखती है।

जेंडर इक्वैलिटी दर्शा रहा मस्कट

आईसीसी के इवेंट में भारत की विजेता अंडर-19 पुरुष टीम के कप्तान यश धुल और महिला टीम की कप्तान शेफाली वर्मा को भी बुलाया गया। दोनों कप्तानों की मौजूदगी में मस्कट लॉन्च हुआ। मस्कट के रूप में पुरुष बल्लेबाज और महिला गेंदबाज हैं, जो स्पोर्ट्स में जेंडर इक्वैलिटी को दर्शा रहे हैं।

केएल राहुल ने एनसीए में बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग की, जल्द वापसी की उम्मीद

बेंगलुरु। केएल राहुल ने शुक्रवार को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में मैच की परिस्थितियों के अनुसार अभ्यास के दौरान काफी देर तक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए अपनी तत्परता दिखायी जो एशिया कप और वनडे विश्व कप से पहले भारत के लिए मनोबल बढ़ाने वाली खबर है। इसे देखते हुए पूरी संभावना है कि राहुल एशिया कप के लिए श्रीलंका की यात्रा कर सकते हैं जिसके लिए भारतीय टीम का चयन 21 अगस्त को होगा। इसकी जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, राहुल ने एनसीए में मैच सिम्युलेशन (मैच की परिस्थितियों के हिसाब से) कार्यक्रम में (शुक्रवार) काफी देर तक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग करके बेहतरीन फिटनेस स्तर दिखाया है। उन्होंने कहा, उन्होंने इस हफ्ते के शुरू से बल्लेबाजी शुरू की थी और अब उन्होंने विकेटकीपिंग भी करना शुरू कर दिया है। राहुल की शीर्ष स्तर के क्रिकेट में वापसी जल्द ही दिखायी दे रही है लेकिन अभी एनसीए में चोट से उबर रहे श्रेयस अय्यर को थोड़ा लंबा इतंजार करना पड़ सकता है। श्रेयस भी एनसीए में मैच की परिस्थितियों के अनुसार अभ्यास कर रहे हैं और मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने फिटनेस में काफी सुधार दिखाया है। हालांकि श्रेयस के संबंध में अंतिम फैसला अगले दो दिन में ही लिया जा सकेगा। राहुल की वापसी से भारतीय टीम प्रबंधन के सिर से बड़ा बोझ कम हो जायेगा क्योंकि वे मध्यक्रम में एक स्थान पक्का कर सकते हैं। राहुल का वनडे में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए रिकॉर्ड शानदार है, उन्होंने सात पारियों में 40.17 के औसत से 241 रन बनाये हैं जिसमें एक सैकड़ा भी शामिल है। पांचवें नंबर पर राहुल ने 18 पारियों में 53 के औसत से 742 रन बनाये हैं जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं। राहुल की अनुपस्थिति में भारतीय थिंक टैंक ने सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन को मध्यक्रम में उतारकर प्रयोग किया लेकिन इनमें से कोई भी निरंतर प्रदर्शन नहीं पाया।

रूस के लूना-25 मिशन में तकनीमी खामी आई सामने

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत के चंद्रयान-3 के साथ-साथ रूस का लूना-25 भी चांद पर उतरने के लिए आगे बढ़ रहा है। हालांकि शनिवार को लूना-25 के सामने तकनीकी खामी के कारण मुश्किल खड़ी हो गई। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस ने कहा कि शनिवार को चंद्रमा पर उतरने से पहले लूना-25 की जांच के दौरान एक इमरजेंसी का पता चला है। लूना-25 को 21 अगस्त को चांद के साउथ पोल पर उतरना है। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया,शनिवार दोपहर लैंडिंग से पहले की ऑर्बिट में भेजने के लिए थ्रस्ट जारी किया था। इस दौरान ऑटोमैटिक स्टेशन पर इमरजेंसी हालात पैदा हुए और इससे मिशन का मैन्यूवर पूरा नहीं हो पाया।

वैश्विक स्तर पर प्रमुख वित्तीय केंद्र होगी गिफ्ट सिटी

गांधीनगर, (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि लेखांकन और कराधान पेशेवरों के लिए व्यापक कानूनी ढांचा जल्द ही तैयार किया जाएगा ताकि ये दुनिया को सेवाएं प्रदान करने में सक्षम हो व गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) को लेखांकन व वित्तीय बैक-ऑफिस कार्य के लिए वैश्विक केंद्र बनाया जा सके। सीतारमण ने गांधीनगर के गिफ्ट सिटी में देश के पहले आईएफएससी के विकास व प्रगति पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए गिफ्ट सिटी को वित्तीय केंद्र के रूप में उन्नत करने सभी हितधारकों को पहचाने गए मार्गो को पहचानने और समर्थन करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन को भेजा दूसरा समन

रांची, (एजेंसी)। झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दूसरा समन भेजा है। ईडी ने श्री सोरेन को 24 अगस्त को ईडी के रांची जोनल ऑफिस में पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा है। सूत्रों से शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार ईडी के अधिकारी मुख्यमंत्री श्री सोरेन से उनके और उनके परिवार की संपत्तियों के बारे में भी पूछताछ करेंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले आठ अगस्त को भी ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को समन भेजकर 14 अगस्त को उपस्थित होने को कहा था। लेकिन वो ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए थे। उन्होंने ईडी को पत्र लिखकर कहा था कि समन वापस ले, मैं कानूनी सलाह ले रहा हूं।

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री कुरैशी गिरफ्तार

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पीटीआई के उपाध्यक्ष शाह महमूद कुरैशी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कुरैशी को इस्लामाबाद में गिरफ्तार किया। संघीय जांच एजेंसी (एफएआई) ने सिफर की चल रही जांच के सिलसिले में कुरैशी को इस्लामाबाद स्थित उनके आवास से हिरासत में ले लिया, जिसमें पीटीआई का आरोप है कि इसमें इमरान खान को सत्ता से बाहर करने के लिए अमेरिका की ओर से धमकी दी गई थी। सिफर मुद्दा पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की तरफ से पिछले साल सत्ता से बाहर होने के बाद किए गए दावे से जुड़ा है।

एकता कपूर ने दी दरगाह में हाजिरी, मांगी दुआ

अजमेर। टीवी सीरियल और फिल्म निर्माता-निर्देशक एकता कपूर ने शनिवार को ख्वाजा मो. चिश्ती की दरगाह में हाजिरी दी। उन्होंने मजार शरीफ पर मखमली चादर और फूल पेश कर दुआ मांगी। एकता सुबह गरीब नवाज की दरगाह पहुंची। उन्होंने मखमली चादर और गुलाब के फूल पेश किए। उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म ड्रीम गर्ल की कामयाबी के लिए दुआ मांगी। खादिम सैयद इमरान व सैयद नदीम चिश्ती ने उन्हें जियारत कराई। एकता के दरगाह आगमन की सूचना मिलते ही प्रशंसक दरगाह और आस-पास के इलाकों में जमा हो गए। लोग उनकी फोटो खींचने, सेल्फी लेने का प्रयास करते रहे। पुलिस व सुरक्षाकर्मियों को लोगों को पीछे धकेलना पड़ा।

आज का इतिहास

- **1828:** राजा राम मोहन राय के ब्रह्म समाज के पहले सत्र का आयोजन कलकत्ता (अब कोलकाता) में संपन्न।
- **1897:** रोनाल्ड रॉस ने कलकत्ता के प्रेसिडेंसी जनरल हॉस्पिटल में काम के दौरान मलेरिया के कारक एनोफिलीज मच्छर की पहचान की।
- **1921:** केरल के मालाबार क्षेत्र में मोपला विद्रोह की शुरुआत हुई। मोपला विद्रोह केरल के मालाबार क्षेत्र में शुरू हुआ।
- **1949:** यूरोपीय देश हंगरी में संविधान को अंगीकार किया गया।
- **1955:** मोरक्को और अल्जीरिया में फ्रांस-विरोधी दंगों में सैकड़ों लोग मारे गए।
- **1972:** तत्कालीन सोवियत रुस ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
- **1979:** - तत्कालीन पीएम चौधरी चरण सिंह ने प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के 23 दिनो के अंदर ही इस्तीफा दिया।

चांद के एकदम पास पहुंचा लैंडर विक्रम

चेन्नई। चंद्रयान-3 तय रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने नया अपडेट दिया है। लैंडर की अंतिम डी-बूस्टिंग प्रक्रिया शनिवार आधी रात के बाद 2 बजे पूरी की। इसके बाद वह चांद की 30-35 किमी गुणा 100-150 किमी वाली कक्षा में चक्कर लगाएगा। इससे पहले चंद्रयान-3 का लैंडर मॉड्यूल की पहली डी-बूस्टिंग के बाद अपनी कक्षा कम करते हुए 113 किमी ×157 किमी के ऑर्बिट में आ गया था। लैंडिंग मॉड्यूल में विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर शामिल हैं। दूसरा डीबूस्टिंग ऑपरेशन रविवार देर रात दो बजे सफलतापूर्वक किया गया है। जब भारत नींद के आगोश में था, तब चंद्रयान-3 को इसरो ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। वह अपनी रफ्तार और धीमी करते हुए चांद के सबसे करीबी ऑर्बिट में दाखिल हो गया। इसरो ने बताया कि लैंडर विक्रम आशा के अनुरूप काम कर रहा है। इस साल 14 जुलाई को लॉन्च किया चंद्रयान-3 मिशन भारत के मून मिशन का फॉलो-अप है। 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट-लैंडिंग के बाद, चंद्रयान-3 वहां के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटाएगा।

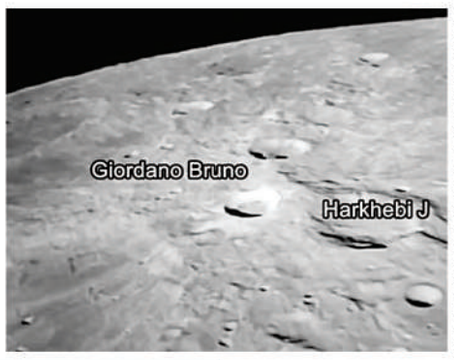

अब सबको बस 23 अगस्त का इंतजार, जब चांद पर सुबह होगी

भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को 23 अगस्त 2023 का बेसब्री से इंतजार है। इसरो वैज्ञानिकों के अनुसार, यही वह दिन है जब चंद्रयान-3 को चंद्रमा के साउथ पोल पर सॉफ्ट-लैंडिंग करनी है। लैंडर विक्रम अब अपने दिमाग का इस्तेमाल कर रहा है। अपने सेंसर्स की मदद से वह लैंडिंग की मुफीद जगह तलाशेगा। फिर अपनी स्पीड को लगभग शून्य कर लेगा। फिर हौले-हौले चांद की सतह पर कदम टिकाएगा। भारत ने 23 अगस्त की तारीख को इसलिए चुना की उस दिन चांद पर रात के बाद सुबह होगी। जो भारत के लिए भी नया सबेरा लेकर आएगी।

भारत इतिहास रचने से सिर्फ 30 किमी दूर, लैंडर ने ली तस्वीर

भारत इतिहास रचने से 30 किमी दूर है। इसके बाद लैंडर प्रज्ञान चांद पर उतरेगा। इसके लिए स्पीड को न्यूनतम किया जा रहा है। लैंडर विक्रम 23 अगस्त शाम 5 बजकर 47 मिनट पर चंद्रमा की सतह पर उतरेगा। उसके बाद उसमें से प्रज्ञान निकलेगा। जो 14 दिन तक पर चांद पर रह कर कई प्रयोग करेगा। जिसमें से एक चांद पर पानी खोजना। चांद की मिट्टी के सैंपल एकत्रित कर उसके डाटा इसरो केंद्र तक पहुंचाएगा ।

इसरो की नजर अब सूरज की सतह पर, आदित्य एल-1 मिशन जल्द

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की नजर चंद्रमा के बाद अब सौरमंडल के सबसे गर्म और सबसे बड़े सदस्य सूर्य की सबसे चुनौतीपूर्ण सतह पर उतरने पर है। अंतरिक्ष एजेंसी सूर्य का अध्ययन करने के लिए आदित्य-एल1 सौर अन्वेषण मिशन के प्रक्षेपण की तैयारी कर रही है। आदित्य-एल1 मिशन को इसरो पीएसएलवी रॉकेट द्वारा सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र एसएचएआर (एसडीएससी एसएचएआर), श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किया जायेगा। इसके बाद कक्षा को और अधिक अण्डाकार बनाया जाएगा और बाद में अंतरिक्ष यान को ऑन-बोर्ड प्रणोदन का उपयोग करके लैग्रेंज बिंदु एल-1की ओर प्रक्षेपित किया जाएगा। एल1 बिंदु के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में रखे गए उपग्रह को बिना किसी ग्रहण/ग्रहण के सूर्य को लगातार देखने का प्रमुख लाभ होता है। इससे वास्तविक समय में सौर गतिविधियों और अंतरिक्ष मौसम पर इसके प्रभाव को देखने का अधिक लाभ मिलेगा। जैसे ही अंतरिक्ष यान एल 1 की ओर यात्रा करेगा, यह पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र (एसओआई) से बाहर निकल जाएगा।

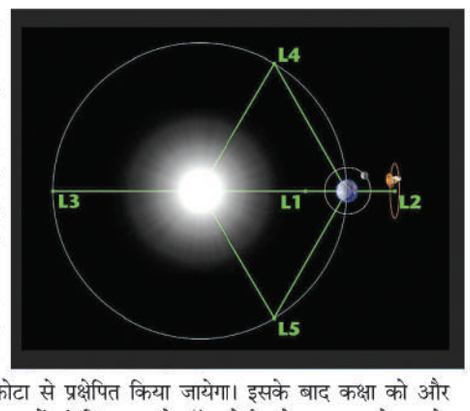

बारिश-लैंडस्लाइड से हिमाचल में करीब 9 हजार घरों में दरारें

नई दिल्ली। हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश और लैंडस्लाइड ने काफी तबाही मचाई। हिमाचल में 9 हजार से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए। 11 हजार लोगों ने पलायन किया, जबकि 330 लोगों की जान चली गई है। यही वजह है कि लोग अब घर छोड़कर जाने को मजबूर हैं। इनके घरों में दरारें आ गई हैं और नीचे की मिट्टी बह गई। किसी भी वक्त घर गिर सकता है। कुछ लोगों ने प्रदेश ही छोड़ दिया है। वहीं, राज्य में 12 में से 11 जिलों में 857 सड़कें बंद हैं। 4,285 ट्रांसफार्मर और 889 जल आपूर्ति योजनाएं रुकी हुई हैं। बारिश, बाढ़, फ्लैश फ्लड व जमीन धंसने से 10 हजार करोड़ रुपए से भी अधिक का नुकसान आंका गया है।

11 हजार लोगों ने घर छोड़ा, पलायन जारी

आवास व शहरी मामलों के मंत्री हरदीप पुरी ने एक परिचर्चा में कहा

अन्य देशों के लिए चुनौती बना जी-20 का भारत में कीर्तिमान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व राजनयिक हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि भारत की अध्यक्षता में विकसित और विकासशील देशों के समूह जी20 अपनी अध्यक्षता में बैठकों के आयोजन का जो कीर्तिमान स्थापित हो रहा है उसकी बराबरी करना अन्य देशों के लिए चुनौतीपूर्ण होगा।

एक टीवी न्यूज चैनल द्वारा जी-20 शिखर बैठक को ले आयोजित दिन भर की परिचर्चाओं के एक सत्र में आवास और शहरी मामलों के मंत्री श्री पुरी ने कहा कि जी20 के आयोजन में 'जो कीर्तिमान भारत ने स्थापित किया है, इससे अन्य देशों के लिए चुनौती रहेगी। भारत ने जो आयोजन कराए हैं वैसा करने में अगले देशों को थोड़ी मुसीबत होने वाली है।'

उल्लेखनीय है कि भारत ने 9-10 सितंबर को राजधानी में होने वाली जी20 शिखर बैठक से पहले विभिन्न विषयों पर 60 से अधिक बैठकें रखी गयीं। ये बैठकें जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक देश के विभिन्न भागों हुई हैं। व्यापार और निवेश पर एक मंत्रिस्तरीय बैठक अगले सप्ताह जयपुर में होने जा रही है। इससे पहले वहीं इस विषय पर जी20 कार्यसमूह की दो दिन की बैठक भी होगी। श्री पुरी ने बातचीत के दौरान अपने मंत्रालयों की उपलब्धियों के बारे में बात की।

व्यापार और निवेश पर मंत्रिस्तरीय बैठक अगले सप्ताह जयपुर में होगी

जी-20 के नाम पर जमकर चल रहा है चुनावी प्रचार : कांग्रेस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि मोदी सरकार देश में हो रहे जी-20 सम्मेलनों का पूरा फायदा उठा रही है और इसको लेकर जमकर चुनावी प्रचार किया जा रहा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि सरकार जी-20 सम्मेलनो के जरिए देश का ध्यान मुद्दों से भटकाने के लिए कर रही है और इस संगठन की बैठकों को लेकर भाजपा का चुनावी प्रचार जमकर किया जा रहा है।

चप्पल पहनने वाले को हवाई सफर का वादा भी हवा-हवाई : खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वह जो भी वादा करती है उसको लेकर लोगों को सिर्फ सपने दिखाए जाते हैं और जो वादे किए जाते हैं सरकार उनको पूरा नहीं करती है। श्री खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स (पूर्व में ट्विवटर) पर आज कहा कि इस सरकार ने उड़ान योजना को लेकर भी लोगों को इसी तरह के सपने दिखाए हैं।

महाराष्ट्र की मुख्य कुर्सी पर होने वाला है बड़ा फेरबदल

मुंबई ■ एजेंसी

नेता विपक्ष विजय वडेट्टीवार ने फोड़ा बम

महाराष्ट्र में अगले कुछ हफ्ते में मुख्य कुर्सी समेत राज्य सरकार में बड़े फेरबदल होंगे। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने शनिवार को यह दावा किया। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में भाजपा, शिंदे शिवसेना और अजित पवार गुट वाली एनसीपी की सरकार है।

इसमें अजित पवार एनसीपी से अलग होकर पिछले महीने ही सरकार में शामिल हुए हैं। वहीं, एकनाथ शिंदे इस सरकार में मुख्यमंत्री हैं। वडेट्टीवार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि महाराष्ट्र में अगले कुछ सप्ताहों में राज्य सरकार में बड़े बदलाव नजर आएंगे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता वडेट्टीवार ने कहा कि मुख्य कुर्सी पर भी बदलाव होगा।

मैं यह नहीं कह रहा हूं कि सरकार बदलेगी, बल्कि सितंबर में मुख्य कुर्सी पर बदलाव होगा। पिछले महीने सत्तारूढ़ गठबंधन के साथ हाथ मिलाने के बाद अजित पवार दूसरे उपमुख्यमंत्री बन गए जबकि उनके आठ पार्टी सहयोगियों को मंत्रियों के रूप में शपथ दिलाई गई।

फिलहाल महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस भी डिप्टी सीएम की भूमिका में है। बता दें कि जून, 2022 में शिंदे द्वारा बगावत किए जाने और शिवसेना में विभाजन के बाद उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली महा विकास आघाड़ी सरकार गिर गई थी।

लद्दाख की सड़कों पर राहुल ने दौड़ाई बाइक

नई दिल्ली, (आरएनएन)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लद्दाख दौरे पर हैं। वे शनिवार को पेंगोंग झील गए जहां उन्होंने बाइक भी चलाई। सोशल मीडिया पर उनकी कई तस्वीरें वायरल हो गई हैं। उन तस्वीरों में राहुल गांधी बाइक चलाते दिख रहे हैं, उन्होंने स्पोर्ट्स वियर भी पहन रखा है। उन तस्वीरों पर राहुल ने अपने पिता और पूर्व पीएम राजीव गांधी को याद किया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पेंगोंग लेक जा रहा हूं। मेरे पिता कहा करते थे कि ये दुनिया की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है।

ब्रिक्स में मिल सकते हैं मोदी-जिनपिंग

भारत और चीन के बीच हुई चुशुल-देसपांग में विवाद सुलझाने पर डिटेल में चर्चा, पैट्रोलिंग के नियम तय किए

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच दौलत बेग ओल्डी और चुशुल में एलएसी पर मेजर जनरल लेवल की बैठक हुई। इस दौरान दोनों देशों के बीच जारी सीमा विवाद पर डिटेल में चर्चा की गई। वहीं, साउथ अफ्रीका में 22 से 24 अगस्त को ब्रिक्स समिट होने वाला है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हो सकती है। इससे पहले दोनों नेता पिछले साल बाली में जी-20 समिट के दौरान मिले थे। पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति के बीच मुलाकात हुई थी। इसकी जानकारी पिछले महीने विदेश मंत्रालय ने दी थी। मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि डिनर के दौरान मोदी और जिनपिंग ने द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने पर चर्चा की थी। दोनों के भारत-चीन के बॉर्डर विवाद को भी डिस्कस किया था। रिपोर्ट के मुताबिक मेजर जनरल पीके मिश्रा और मेजर जनरल हरिहरन ने भारत का प्रतिनिधित्व किया।

दो जिले आतंकियों के रडार पर, घुसपैठ की कोशिश बढ़ी

श्रीनगर, (एजेंसी)। सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती राजौरी और पुंछ में घुसपैठ की गतिविधि के बढ़ने को लेकर चिंता जताई है। अधिकारियों का कहना है कि इन दोनों जिलों में घुसपैठ की कोशिशों में बढ़ोतरी हुई है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि इन इलाकों से भारी संख्या में घुसपैठ हो रही है। सुरक्षा बल घुसपैठ की कई कोशिशों को नाकाम कर रहे हैं, तो कई दूसरे आतंकी घुसपैठियों के गिरोहों के नहीं पकड़े जाने की आशंका भी ज्यादा है।

सुरक्षाबलों ने बदली रणनीति

उत्तरी यूक्रेन में रूस के मिसाइल हमले में सात लोग मारे गए, 117 घायल

कीव, (एजेंसी)। उत्तरी यूक्रेन के शहर के मध्य में शनिवार को किए गए एक हमले में सात लोगों की मौत हो गई जबकि 117 लोग घायल हो गए। यह हमला तब हुआ है, जबकि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की देश पर रूस के हमले के बाद अपनी पहली यात्रा पर स्वीडन पहुंचे है। आंतरिक मंत्रालय ने कहा है कि उत्तरी यूक्रेन के चेर्निहाइव शहर में एक थिएटर और एक केंद्रीय चौराहे पर एक रूसी मिसाइल के हमले में कम से कम सात लोग मारे गए और 117 घायल हो गए। मृतकों में एक छह साल का बच्चा भी शामिल है और उनकी मां गंभीर घायल हैं। अन्य 11 बच्चे घायल हो गए, साथ ही 10 पुलिस अधिकारी भी घायल हो गए। पच्चीस लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।मंत्रालय ने कहा कि लोग धार्मिक अवकाश मनाने के लिए चर्च जा रहे थे, तभी एक मिसाइल ने शहर के ऐतिहासिक ड्रामा थिएटर को निशाना बनाया।

कंगना रनौत ने संजय लीला भंसाली की तारीफ की, कहा वे सक्सेस का दिखावा नहीं करते

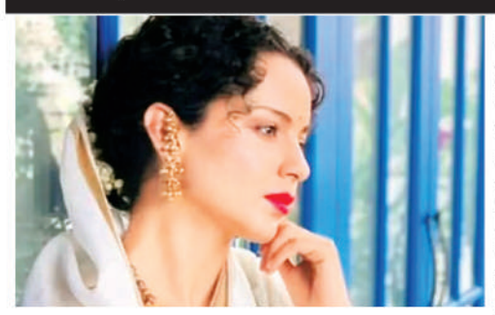

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने फिल्मकार संजय लीला भंसाली की तारीफ की है। कंगना रनौत अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने मन की बातें शेयर करती हैं। कंगना ने संजय लीला भंसाली की तारीफ की है। कंगना रनौत ने लिखा, मैं एक कलाकार के रूप में संजय लीला भंसाली की तारीफ करती हूं, वह कभी भी सक्सेस या ग्लोरी का दिखावा नहीं करते। वह इस समय फिल्म इंडस्ट्री में रहने वाले सबसे सच्चे आर्टिस्ट हैं। मैं किसी को भी नहीं जानती हूं जो सिनेमा से इतना प्यार करता है। सबसे ऊपर वह वह अपने काम से काम रखते हैं, क्रिएटिव और दुर्लभ ईमानदारी... वह एक लिविंग लेजेंड हैं। मैं आपसे प्यार करती हूं संजय सर। कंगना ने लिखा, बीते कई सालों में संजय लीला भंसाली प्रोडक्शन की तरफ से मुझे कई गाने और रोल ऑफर किए गए थे लेकिन कुछ कारणों की वजह से मैं ये नहीं कर पाई। अभी भी जब मैं उनसे मिलने के लिए उनके घर जाती हूं तो वह मेरे साथ बैठ बात करते हैं। भगवान की तरह धीरे से मुस्कुराते हुए, अपनी आंखों से दया और प्रशंसा की वर्षा करते हुए, कम शब्दों में बोलने वाले एसएलबी जी बिल्कुल अद्भुत हैं।

काजोल-कृति की फिल्म दो पत्ती की शूटिंग शुरू

मुंबई। कृति सेनन को बॉलीवुड इंडस्ट्री में नौ साल पूरे हो चुके हैं। अभिनेत्री ने नौ साल तक बतौर अभिनेत्री काम करने के बाद अब निर्माता के तौर पर अपना करियर शुरू किया है। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर खुशखबरी साझा करते हुए 'ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स' नाम से अपना प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया था। इसके साथ ही उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी की पहली फिल्म 'दो पत्ती' का खुलासा किया था। अब इस फिल्म की शूटिंग की शुरुआत हो चुकी है।

आज से शुरू हुई शूटिंग: कनिका ढिल्लों की कथा पिक्चर्स का काजोल और कृति सेनन का पहला प्रोजेक्ट 'दो पत्ती' शुक्रवार को फ्लोर पर आ गया है। कत्था पिक्चर्स और नेटफ्लिक्स ने हाल ही में 'दो पत्ती' की घोषणा की है। फिल्म की शूटिंग शुक्रवार से मुंबई में शुरू हो चुकी है। 'दो पत्ती' का निर्देशन बीओबी के नाम से मशहूर शशांक चतुर्वेदी ने किया है और इसमें काजोल और कृति सैनन मुख्य भूमिका में हैं।

ओटीटी पर फिल्म होगी रिलीज: यह फिल्म दर्शकों को पहले से कहीं ज्यादा रोमांचकारी रहस्य से भरी सवारी पर ले जाने के लिए तैयार है और दर्शकों को उत्तर भारत की मंत्रमुग्ध कर देने वाली पहाड़ियों पर ले जाएगी, जो रहस्य और साजिश को उजागर करेंगे। यह फिल्म विशेष रूप से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

अयोध्या में निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरे किए जाएं

अयोध्या, (ब्यूरो)। उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अयोध्या में जो भी निर्माण कार्य चल रहे हैं उसको समय सीमा के अन्दर गुणवत्ता के साथ पूर्ण कर लिया जाए। श्री योगी ने शनिवार को यहां श्रीराम मंदिर आंदोलन के महानायक साकेतवासी महंत परमहंस रामचन्द्र दास की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा कि श्रीराम मंदिर आंदोलन के महानायक रहे परमहंस रामचन्द्र दास की दिली इच्छा थी कि अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण हो जो आज उनके इच्छानुसार हो रहा है। मंदिर आंदोलन के महानायक परमहंस रामचन्द्र दास जी का आज बीसवीं पुण्यतिथि है इसलिए यहां आकर उनको याद कर रहा हूं।

स्कॉलरशिप स्कीम में 144 करोड़ रुपए का फर्जीवाड़ा

जांच करेगी सीबीआई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मोदी सरकार ने देश में अल्पसंख्यक समाज के बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उनको मिलने वाली छात्रवृत्ति में बढ़ोत्तरी कर दी थी। जिससे कि छात्रों को पढ़ाई में किसी भी तरह के समस्या का सामना न करना पड़े। लेकिन देश में अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति घोटाले का खुलासा हुआ है। इस घोटाले में कई राज्यों के फर्जी लाभार्थी, फर्जी संस्थान और फर्जी नामों से बैंक खाते सामने आए हैं। मामला सामने आने के बाद केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने सीबीआई को मामले की जांच करने के निर्देश दिए है।

आपसी मिलीभगत से हुआ फर्जीवाड़ा: मंत्रालय की शुरुआती जांच में ये मामला सामने आया है कि अल्पसंख्यक संस्थानों, राज्य प्रशासन और बैंकों ने मिलकर भ्रष्टाचार किया है। जांच में पाया गया कि 1572 अल्पसंख्यक संस्थानों की जांच में 830 मदरसे फर्जी/नॉन-ऑपरेशनल पाए गए जिनमें 144 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। यह घोटाला पांच साल में किया गया।

समय और परिस्थितियों के हिसाब से अपनी सोच और रास्ता बदलें : अरूण कुमार श्रीवास्तव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रविवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर के तत्वावधान में महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता मे नियाजी मुहल्ले में स्थित रविप्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव के आवास पर सम्मान समारोह एवं "वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में कायस्थ समाज की भूमिका " विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस समारोह में नवनिर्वाचित सभासद संदीप श्रीवास्तव जी को महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव एवं जिला महामंत्री अरूण सहाय ने माल्यार्पण कर तथा अंगम- वस्त्रम- एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर इस समारोह में महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने सम्मानित सभासद को बधाई देते हुए कहा कि बार बार इनके सभासद निर्वाचित होने से कायस्थ समाज गौरवान्वित हुआ है ।उन्होंने कहा कि कायस्थ महासभा अपने समाज की उभरती प्रतिभाओं का हौंसला अफजाई करने एवं उनका उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से उनका सम्मान करती रही है और करती रहेगी। उन्होंने कहा कि जो समाज अपने महापुरुषों और अपनी प्रतिभाओं का सम्मान नहीं करता उस समाज का वजूद स्वतः समाप्त हो जाता है।

उन्होंने समाज के युवाओं से अपने गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए राजनीति मे सक्रिय होने का भी आह्वान किया और कहा कि विकास की कुंजी सत्ता के हाथो में होती है। बिना सत्ता में भागीदारी के समाज का विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि सत्ता के गलियारों में हमारा दखल कम हुआ है जिसकी वजह से हम लगातार पिछड़ते जा रहे हैं। उन्होंने समय के साथ समाज के लोगों को बदलने की हिदायत देते हुए कहा कि लीक का फकीर बनने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जो समाज बदली हुई परिस्थितियों और समय के हिसाब से फैसला नहीं लेता है वह लगातार पिछड़ता चला जाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में राजनीति छोटी हुई है और जाति बड़ी। ऐसे दौर में हम सब को संगठित होकर अपने सियासी मुकाम को पुनः हासिल करने की जरूरत है और उसके लिए अपना नेतृत्व पैदा करने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि अब अपने समाज के उत्थान के बारे में सोचने की जरूरत है। राष्ट्र का निर्माण करते करते हम मिट गये ,हमें कुछ भी हासिल नहीं हुआ और जिनका राष्ट्र निर्माण में कोई योगदान नहीं था वह आज सत्ता की मलाई काट रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो समाज आज एकजुट होकर फैसला ले रही है वह प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने सभी से एकजुट होकर समाज को मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभासद संदीप श्रीवास्तव ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हमें स्वामी विवेकानंद जी के बताए रास्ते पर चलकर जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाये निरन्तर आगे बढ़ते रहने की जरूरत है। इस अवसर पर मुख्य रूप से सेन्ट्रल बार संघ के महामंत्री राजेश कुमार श्रीवास्तव, परमानन्द श्रीवास्तव, शैल श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, आशुतोष श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य माननीय आशुतोष सिन्हा के प्रतिनिधि पप्पू लाल श्रीवास्तव, संजय बजाज, डॉ सुधीर श्रीवास्तव, मोहन लाल श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, अमर सिंह राठौर, अजय कुमार श्रीवास्तव, मोहनलाल श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, कमल प्रकाश श्रीवास्तव एडवोकेट, अजय कुमार श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, राजेश, आदि उपस्थित थे। इस समारोह का संचालन जिला महामंत्री अरूण सहाय ने किया।

डेढ़ करोड़ की हीरोइन व कार के साथ 4 अन्तर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के आदेश के क्रम मे अपराध एवम् अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन मे तथा क्षेत्राधिकारी जमानिया के निकट पर्यवेक्षण में रविवार को स्वाट तथा सर्विलांस टीम व थाना दिलदारनगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिरी की सूचना पर नहर पुलिया रक्सहाँ बाईपास के पास सघन चेकिंग के दौरान 04 नफर अन्तर्राज्यीय हेरोईन तस्कर को 1 किलो 500 ग्राम नाजायज हेरोईन जिसकी बाजारु कीमत करीब 1 करोड़ 50 लाख रुपए व 01 अदद चार पहिया वाहन स्विफ्ट डिजायर एएस 11 एच 6036 के साथ गिरफ्तार किया गया, गिरफ्तारशुदा अभियुगण द्वारा बताया गया कि हम लोग मणिपुर से माल लेकर गुड्डू के यहा देते है, तथा मिलकर माल को अधिक दामो में अन्य राज्यों में सप्लाई करते है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण के विरूद्ध स्थानीय थाने पर धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया। अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही सम्बन्धित थाने द्वारा की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्तों में मुस्ताक पुत्र खैरूद्दीन निवासी ग्राम खेकमान थाना थवाल दाम जिला इम्फाल मणिपुर भारत, मोहम्मद अमर खान पुत्र अब्दुल सलाम निवासी उचिवा बनंगबल, मयंग-इम्फाल, इम्फाल पश्चिम, मणिपुर, रकीबुर हसन पुत्र मोहम्मद रफीजुद्दीन निवासी मोइजिंग थौबल मयूम, थौबल, थोबल, मणिपुर तथा मोहम्मद कैश खां उर्फ गुड्डू पुत्र अबुलैस निवासी मिर्चा, दिलदारनगर गाजीपुर रहे। बताते चलें कि मोहम्मद कैश खां उर्फ गुड्डू थाना दिलदारनगर का टाप-10 अपराधी व हिस्ट्रीशीटर भी है।

दिव्य प्रेम सेवा मिशन के प्रचार के लिए गाजीपुर पहुंचे प्रदेश के परिवहन मंत्री

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। छत्रपति शिवाजी महाराज की स्मृतियों को स्मरणीय बनाने के लिए दिव्य प्रेम सेवा मिशन द्वारा लखनऊ में 26 से 31 अक्टूबर, 2023 तक जाणता राजा महानाट्य का आयोजन होने वाला है। इसी कार्यक्रम के प्रचार प्रसार को लेकर गाजीपुर में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमे प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह मौजूद रहे। गाजीपुर के एक निजी होटल में दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार के तरफ से गोष्ठी का आयोजन किया गया तथा सदस्यता अभियान चलाया गया। इस गोष्ठी में प्रोफेसर राकेश उपाध्याय और दिव्य प्रेम सेवा मिशन के अध्यक्ष आशीष गौतम भी मौजूद रहे। देर शाम तक चले इस कार्यक्रम में तमाम भाजपा क्षेत्रीय नेता और जनपद के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से मुखातिब होते हुए परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति की दिव्य प्रेम सेवा मिशन सेवा करता है। कई प्रकार के सामाजिक कार्यों से प्रेम सेवा मिशन जुड़ा हुआ है। छत्रपति शिवाजी महाराज की जीवनी पर बनी जाणता राजा नाटक का मंचन लखनऊ में होने वाला है, जिसकी तैयारी हो रही है। उन्होंने अनुरोध किया कि इस कार्यक्रम में सभी लोग भाग लें, इसी मकसद से यहां बैठक हुई है।

संगठन की मजबूती से मिलेगी ताकत : इन्दू

प्रखर जलालपुर। जिला उद्योग व्यापार मंडल प्रतिनिधि के प्रांतीय उपाध्यक्ष/जिलाध्यक्ष इन्द्रभान सिंह 'इन्दु' ने कहा कि संगठन की मजबूती से व्यापारियों को ताकत मिलेगी। इसके लिए हमें एक बार फिर से एकजुट होने की जरूरत है। वह रविवार को त्रिलोचन महादेव बाजार में आयोजित व्यापार मंडल संगठन के शपथ ग्रहर समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होने कहा कि व्यापारियों का उत्पीड़न बर्दाश्त नही होगा। इसके लिए हर स्तर पर आन्दोलन किया जायेगा। उन्होने कहा कि व्यापारियों की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहूंगा ।समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि उद्योग व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष/ प्रांतीय उपाध्यक्ष इन्द्रभान सिंह इन्दू व विशिष्ट अतिथि केराकत उप पुलिस अधीक्षक गौरव शर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर किया। गायक विपुल चौबे ने गणेश वंदना व बम बम बोल रहा है काशी गीत गाककर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।तत्पश्चात व्यापार मंडल के पदाधिकारियों नें अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया ।श्री सिंह ने त्रिलोचन महादेव बाजार में नवगठित उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकिरियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। सभी पदाधिकारियों ने संगठन के हित में कार्य करने की शपथ ली। इस मौके पर श्री सिंह ने सबसे पहले समस्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई दी ।विशिष्ट अतिथि केराकत उप पुलिस अधीक्षक गौरव शर्मा ने कहा कि त्रिलोचन बाजार में सुरक्षा के दृष्टि से पुलिस बुथ पर हमेशा सिपाही तैनात रहते हैं। सभी व्यापारियों से अपने दुकान के बाहर सीसी कैमरा लगवाने के लिए कहा ।उन्होने कहा कि किसी भी व्यापारी को किसी भी प्रकार की समस्या होती है तो वो इसकी सूचना थाने पर दें ।त्रिलोचन महादेव बाजार के व्यापार मंडल अध्यक्ष/प्रदेश मंत्री अनुराग वर्मा ने कहा कि व्यापारी सामाज केवल व्यापार नही देश और समाज के लिए भी हमेशा सबसे आगे की पक्ति में खड़ा रहता है ।श्री वर्मा ने कहा संगठन जितना मजबूत होगा उतना व्यापार संघ कि ताकत बढ़ेगी ।फिल्म अभिनेता/समाजसेवी चन्दन सेठ ने कहा कि व्यापार मंडल संगठन व्यापार और उद्योग को बढावा देने के साथ नागरिक विकास को प्रोत्साहित करने का काम करता है ।जिला महामंत्री हारिफ हबीब ने कहा संगठन को मजबूत करने के लिए हर कस्बे में व्यापार मंडल का गठन किया जाएगा ।उन्होने कहा कि

व्यापारियों को आए दिन जांच के नाम पर परेशान किया जाता है। जिसे बर्दाश्त नही किया जायेगा। नव निर्वाचित उपाध्यक्ष अतुल अग्रहरि, गनेश चौहान, कोषाध्यक्ष चन्दन जायसवाल, महासचिव राहुल सेठ, सचिव अंकित सेठ,महामंत्री प्रेम प्रकाश प्रजापति, अभिषेक अग्रहरी, अमित अग्रहरि, मंत्री रितेश सिंह, दीपक दुबे, रवि अग्रहरि, संगठन मंत्री सचिन सेठ, दीपक चौहान, अजय मोदनवाल, मिडिया प्रभारी कुन्दन जायसवाल, आनंद अग्रहरि, सदस्य सन्नी अग्रहरि, संतोष सेठ, संजय जायसवाल, काले अग्रहरी, सुनील साहू, दुर्गेश अग्रहरी सहित अन्य पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

मरदह गोलीकांड में मृतक के घर पहुँचे कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर, व्यक्त की शोक संवेदना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार की देर शाम मरदह ब्लाक के बसपुर गांव पहुंच कर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने गोलीकांड में मृत शिवमूरत राजभर के परिजनों से शोक संवेदना व्यक्त किया और कहा कि जल्द से जल्द शेष हमलावरों को भी प्रशासन चिन्हित कर गिरफ्तार करे । इस मौके पर अनिल राजभर ने कहा कि सरकार पीड़ित परिवार के साथ है और कानून उनके साथ हैं। पुलिस ने संतोषजनक कार्यवाही करते हुए कुछ अपराधियों की गिरफ्तारी किया है। पुलिस और भी तमाम बिंदुओं पर जांच कर रही है। जल्द ही इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए शेष आरोपियों को जेल भेजने का काम करेगी। हम चाहते हैं कि गांव के सम्मानित और सामाजिक वृद्ध जन प्रशासन की जांच में सहयोग करें। दुष्प्रचार पर रोक लगाएं ताकि प्रशासन को कार्रवाई करने में कहीं भी किसी प्रकार की समस्या न हो। हत्याकांड के बाद पोस्टमार्टम हाउस से शव को घर लाने की मांग को लेकर कुछ युवाओं ने वाराणसी गोरखपुर फोरलेन को अवरुद्ध किया था जिस पर पुलिस द्वारा 17 नामजद और 120 लोगों के ऊपर अज्ञात मुकदमा दर्ज किया था, इस प्रश्न पर कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि प्रशासन के सामने कभी-कभी मजबूरियां होती हैं। कानून को अपने हाथ में लेने का किसी को अधिकार नहीं है। फोरलेन ही क्यों ग्रामीण सड़कों पर भी जाम जैसी स्थिति पैदा होने पर कार्यवाही की जाती है, फिर भी हम प्रशासनिक अधिकारी से बात करेंगे जिन लोगों की उपस्थिति वीडियो फुटेज में मौजूद नहीं होगी या वह इस मौके पर मौजूद नहीं रहे और फिर भी उनके ऊपर कार्यवाही की जा रही है तो उनको बचाया जाए। इस मौके पर भाजपा युवा मोर्चा के राजेश भारद्वाज, गुड्डू राजभर, योगेंद्र शर्मा, प्रवीण पटवा, काशी पहलवान सहित क्षेत्रीय ग्रामीण और कासिमाबाद उप जिलाधिकारी राजेश कुमार प्रसाद, मरदह थानाध्यक्ष फोर्स के साथ मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग फिल्म महोत्सव दिव्यांगों के प्रति समाज की भावना में परिवर्तन लाएगी : लक्ष्मण आचार्य

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। हम सभी को एक राष्ट्र, श्रेष्ठ राष्ट्र की भावना को ध्यान में रखते हुए समावेशी समाज को आगे बढ़ने का कार्य करना चाहिए जिसमें सभी को सम्मान व उनकी क्षमता के अनुसार अवसर प्राप्त हो हमें सभी के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए फिल्में सीधे हमारी भावनाओं को प्रभावित करती हैं निश्चित ही काशी में प्रथम बार आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग फिल्म महोत्सव के माध्यम से लोगों के मन में दिव्यांग जनों के प्रति सोच में सकारात्मक परिवर्तन आएगा` प्रधानमंत्री जी ने दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु अनेक सामाजिक योजनाओं का शुभारंभ किया है समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है दिव्यांगजनों को इन सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों का लाभ मिल सके इसी कड़ी में जन विकास समिति, स्पेशल एबल फाउंडेशन और ब्रदरहुड फाउंडेशन ने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया। उक्त संबोधन महामहिम लक्ष्मण आचार्य

राज्यपाल सिक्किम ने अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग फिल्म महोत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम में दिया उन्होंने अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग फिल्म महोत्सव के आयोजकों का उत्तम आयोजन हेतु प्रशंसा किया मुख्य अतिथि ने महोत्सव में प्रदर्शित प्रथम फिल्म का अवलोकन भी किया` कार्यक्रम के अध्यक्षता करते हुए स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित प्रो. मंगला कपूर ने कहा कि आज से 50 वर्ष पूर्व दिव्यांगजनों के प्रति समाज का नजरिया आज से काफी भिन्न था अब समाज में लोगों का दिव्यांगों के प्रति दृष्टिकोण काफी सकारात्मक हुआ है दिव्यांग बंधु डॉ उत्तम ओझा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दिव्यांगजनों हेतु कार्य करना ईश्वर की पूजा के समान है समाज के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह अपने क्षमता के अनुसार दिव्यांगजनों के उत्थान में अपना सहयोग प्रदान करें। शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, दिलीप पटेल अध्यक्ष काशी क्षेत्र भाजपा, अशोक चौरसिया महामंत्री काशी क्षेत्र भाजपा, भाजपा के जिलाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, उद्योगपति एवं समाजसेवी केशव जालान, डिप्टी डायरेक्टर दिव्यांग कल्याण श्री राजेश मिश्रा, डॉ अशोक राय, डॉ तुलसी, डॉ अजय तिवारी, सुमित सिंह, आशीष गुप्ता, दयाकर व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर महोत्सव का शुभारंभ किया। अतिथियों का परिचय रंजीत सिंह ने दिया कार्यक्रम का संचालन डॉ उत्तम ओझा ने किया` अतिथियों का स्वागत चंद्रन रेमंडस, निर्देशक, जन विकास समिति तथा धन्यवाद ज्ञापन ब्रदरहुड दिल्ली के निदेशक सतीश कपूर ने किया कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान गाया गया। पूरे फिल्म महोत्सव के दौरान बी एल डब्ल्यू का सिनेमा हाल खचाखच भरा हुआ था। दिव्यांग जनों ने गजब उत्साह था दिव्यांगजन सुबह से ही तैयार होकर फिल्म देखने के लिए सिनेमा हॉल पहुंचने लगे थे सिनेमा हॉल प्रांगण में त्यौहार जैसा वातावरण था इस अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग फिल्म महोत्सव का समापन मुंबई से आई प्रख्यात गायिका पद्मश्री डॉ सोमा घोष ने किया।

जिला योगासन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वाराणसी जनपद के शृंगेरी मठ में एक दिवसीय जिला योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन का शुभारंभ वाराणसी के एडीएम सिटी आलोक कुमार वर्मा, पूर्व क्षेत्राधिकारी आयुर्वेद डॉ भावना द्विवेदी , गुजराती समाज के अध्यक्ष अनिल गुरु , केसरी समाज के अध्यक्ष अनिल केसरी , अनुपम , राहुल , कमलेश पटेल , वी वी सुंदर शास्त्री ,शैली श्रीवास्तव , आशीष टंडन , डॉ. याज्ञवल्क्य डॉ. सुनील यादव , अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी नीलू मिश्रा , कृष्ण कुमार रावत , नीरज मिश्रा उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। एक दिवसीय ज़िला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता में योगासन के विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन हुआ जिसमें ट्रेडिशनल योगासन,आर्टिस्टिक सिंगल , आर्टिस्टिक पेयर , रिदमिक पेयर योगासन खेल मुख्य रहे वाराणसी जिले के विभिन्न विद्यालयों से, संस्थाओं से आए तीन आयु वर्ग खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया करीब 250 के लगभग प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यक्रम की मैनेजर मधु कुशवाहा व डायरेक्टर अभिषेक पांडे ,जॉइंट डायरेक्टर प्रिया जायसवाल , टेक्निकल डायरेक्टर ईस्ट वढ रअ, आशीष पांडे, टेक्निकल डायरेक्टर ईस्ट वढ रअ, ईशा दत्ता व कार्यक्रम में निर्णायक भूमिका में करीब 30 प्रमाणित निर्णायको ने जज की भूमिका निभाई 40 के करीब वॉलिंटियर्स ने सहयोग दिया जिससे कार्यक्रम का सफल आयोजन हो सका। सभी प्रतिभागियों को प्रतिभा के लिए प्रोत्साहित करते हुए मेडल एवम् सर्टिफिकेट दिया गया सभी विजेता खिलाड़ियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान के लिए मेडल व सर्टिफिकेट दिए गए सब जूनियर बॉयज एंड गर्ल्स जूनियर बॉयज एंड गर्ल्स सीनियर बॉयज एंड गर्ल्स सीनियर बॉयज एंड गर्ल्स के तीन आयु वर्ग में प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार का वितरण हुआ। ट्रेडिशनल इवेंट में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय,आर्टिस्टिक सिंगल में प्रथम द्वितीय और तृतीय , आर्टिस्टिक पेयर में प्रथम द्वितीय एवम् तृतीय ,रिदमिक इवेंट में प्रथम द्वितीय एवम् तृतीय विजेता खिलाड़ियों को मेडल व सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। मुख्य अतिथियों द्वारा सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया जिससे बच्चों का उत्साह वर्धन हुआ।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष फैय्याज अहमद का निधन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी के पुर्व जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा फैय्याज अहमद, उम्र 70वर्ष, निवासी -मखदुमपुर, भीमापार का आज लम्बी बिमारी के बाद निधन हो गया। फैय्याज अहमद भाजपा के वर्तमान जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह के प्रथम कार्यकाल में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष थे। तथा भाजपा के लिए सदैव संघर्षशील थे। उनकी पत्नी राशीदा बेगम का विगत लगभग एक वर्ष पहले ही निधन हुआ था। उनके दामाद अफजाल उर्फ पप्पू ने बताया कि उनके पीछे तीन पुत्रियां तथा चार पुत्र हैं। फैय्याज अहमद के पार्थिव शरीर को आज ही सायंकाल मिट्टी मखदुमपुर स्थित कब्रिस्तान में दी जाएगी। इस निधन पर भाजपा जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने दुख प्रकट करते हुए बताया कि फैय्याज अहमद भाजपा के कर्मठ सिपाही थे। उनका निधन भाजपा की अपूर्णीय क्षति है। उनके निधन पर दुःख प्रकट करने वालों मे जिला महामंत्री दयाशंकर पांडेय, प्रवीण सिंह, ओम प्रकाश राय, जिला मीडिया प्रभारी शशिकांत शर्मा, अच्छेलाल गुप्ता, अखिलेश सिंह, रघुवंश सिंह पप्पू, नीलम सिंह आदि ने गहरी शोक संवेदना प्रकट की है।

कोणार्क सुपर- 30 परीक्षा संपन्न

प्रखर चन्दवक जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के बरामनपुर (भैंसा) स्थित कोणार्क कंपनी (यूएएल उत्तर प्रदेश) प्रतिवर्ष कोणार्क सुपर-30 परीक्षा कराती है। जिसमें सैकड़ों की संख्या में छात्र/छात्रा भाग लेते हैं। बतादे कि कोणार्क सुपर-30 प्रतियोगिता कोणार्क कंपनी द्वारा प्रतिवर्ष कराई जाती है। जिसमें परीक्षा के माध्यम से 30 छात्रों को प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। कोणार्क सुपर 30 परीक्षा की मेरिट के आधार पर 30 छात्र-छात्राओं का चयन किया जाता है। जिन्हें कंपनी प्रतिवर्ष प्रति छात्र/छात्रा ?6000 छात्रवृत्ति प्रदान करती है। जिससे उनको आगे पढ़ने में सहूलियत मिल सके। इस दौरान विष्णु पांडेय जी ०एम ० , डीएन उपाध्याय, आरएसएस प्रांत कार्यवाह मुरली पाल, प्रेम चंद्र शुक्ला, सर्वेश पटेल, राजकुमार गौतम, मणिकांत, ए०वी०सिंह, अंजनी मिश्रा, वेदप्रकाश सिंह, एस०के० त्रिपाठी, राधेमोहन सिंह, आनंद द्विवेदी, अभिषेक मिश्रा व दीनानाथ गौतम सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

बर्गर क्वीन का शानदार उद्घाटन

प्रखर वाराणसी। कचहरी स्थित गोलघर चौराहे के समीप बर्गर क्वीन का उद्घाटन। मुख्य अतिथि इंडिया बास्केटबॉल के टीम के कप्तान विशेष भृगुवंशी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि जिस तरह से जनता फास्ट फ्रूड की तरफ रुझान कर रही है उसी को देखते हुए बर्गर क्वीन की शुरूआत की गई है जिसमें अच्छे क्वालिटी के फास्ट फूड एवं उचित मूल्य पर ग्राहकों उपलब्ध हो सके ।दुकान के अधिष्ठाता ने अशोक कुमार सिंह ने बताया कि मार्केट में जिस तरह से फास्ट फूड का चलन बढ़ा हुआ है उसी को देखते हुए यह मेरी पहली शाखा है और आगे भी इसी तरह हम ग्राहकों के डिमांड पर शाखा खोलेंगे ।जिसमें उच्च क्वालिटी के फास्ट फ्रूड एवं उचित मूल्य पर दिए जाएंगे। मैं काशी की जनता से अपील करता हूं कि एक बार सेवा का मौका मौजूद थे इस मौके पर मुख्य रूप से अशोक कुमार सिंह बादल सिंह आयुष सिंह अभीभान सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

बिना उचित मुआवजा के नही होने देंगे अधिग्रहण

प्रखर पिंडरा वाराणसी। क्षेत्र के पूरारघुनाथपुर स्थित प्रा0 विद्यालय पर रविवार को किसानों ने भूमि अधिग्रहण के विरोध मे एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान किसान महिला पुरुष व नौजवान सभी ने एक मत से आवाज उठाई और कहाकि हम सैकड़ों साल से इस गांव मे बसे हुए है और एयरपोर्ट विस्तारीकरण के नाम पर हमे औने-पौने मुआवजा देकर उजाड़ने की योजना बनाई जा रही है। ग्रामीणों ने कहा कि हमारी जमीन मकान घर लेकर हमें बेघर किया जा रहा है। परन्तु मुआवजा 2013-14 के सर्किल रेट के न्यनतम दर से बनाया गया है , जो हम किसानों के हित के विपरित है । अगर 2023 के सर्किल रेट के आधार पर मुआवजा नहीं दिया गया तो जमीन अधिग्रहित नहीं करने देंगे। जिन गरीब लोगों का मकान जा रहा है उन्हें उचित मुआवजा एवं पुनर्वास की व्यवस्था पहले किया जाय। ग्रामीणों ने कहा कि सरकार गरीबों और किसानों के हित मे काम करने वाली है परन्तु अधिकारी किसानों के साथ धोखेबाजी कर रहे है ।उचित मुआवजा मिलने पर हम स्वेच्छा से जमीन मकान छोड़ देंगे। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन बिना सहमति के उचित मुआवजा नही देती तो हम किसी कीमत पर अधिग्रहण नहीं होने देंगे। इस दौरान किसान रमेश सिंह, सुरेन्द्र मिश्रा, कैलाश प्रजापति, बबलू मिश्रा,अमरनाथ प्रजापति, नागेंद्र पटेल,अनमोल पटेल, लालजी प्रजापति, रामसूरत पटेल, रेखा देवी, तारा देवी, शिवनारायण पटेल दुगार्नारायण ,प्यारे लाल समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं